मुझे व्यवस्था से मुक्त करें... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 135 | गाजियाबाद / मंगलवार 18 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

महाकाल परिसर के नागचंद्रेश्वर मंदिर में भगदड़ जैसे हालात

● 13 लोग घायल, कई बेहोश; कतार में खड़े थे 40 हजार श्रद्धालु ● सिर्फ नागपंचमी पर खुलते हैं कपाट,भीड़ उमड़ने से बनी स्थिति

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को भगदड़ जैसे हालात बन गए। बताया जा रहा है कि यहां करंट फैलने की अफवाह फैली थी। लोग-एक दूसरे के ऊपर गिर गए। दबाव बढ़ने से 13 लोगों को चोट आई है। प्राथमिक इलाज के बाद 3 को छोड़कर सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यहां नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब 40 हजार श्रद्धालु लाइन में लगे हैं। अब तक करीब 5.50 लाख श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। यह मंदिर महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर है। यह नागपंचमी के दिन ही खोला जाता है। जिन श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी उन्हें उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि घायलों ने भीड़ प्रबंधन में लापरवाही और मदद मिलने में देरी का आरोप लगाया।

रसीद काटकर वीआईपी दर्शन कराए जा रहे थे- सागर के मुताबिक इस दौरान वीआईपी दर्शन चालू था। 3 सौ रुपए की रसीद काटकर वीआईपी दर्शन कराए जा रहे थे। सागर ने कहा- मैं कल भी महाकाल मंदिर गया था। कल भी भारी भीड़ के बीच वीआईपी लोगों को एंट्री मिल रही थी। आम लोग मानसरोवर गेट पर चार घंटे से खड़े थे।

घायल बोला- प्रशासन से मदद मिलने में देरी हुई

भगदड़ में घायल सागर ने बताया कि घटना से पहले मैं महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए लाइन में लगा था। 7-8 घंटे बाद हरसिद्धि चौराहे तक पहुंचा। वहां हमें दो घंटे तक खड़ा रखा गया। भीड़ बढ़ रही थी और आरती का समय होने के कारण हमें वहीं रोक दिया गया। सागर के मुताबिक, अचानक बैरिकेड खोल दिए गए और भगदड़ मच गई। टेंट गिर गया और सारे बैरिकेड भी गिर गए। मेरे दोनों पैर बैरिकेड के नीचे फंस गए। एक पैर में फ्रैक्चर है।

महिला बोली- बेटी बोल नहीं पा रही, दांत टूट गए हैं

ग्वालियर से आई एक अन्य श्रद्धालु आरती ने बताया कि उनकी बेटी भी घटना में घायल हुई है। उन्होंने कहा- हम ग्वालियर से दर्शन के लिए आए थे और अब परेशान हैं। उसने पानी तक नहीं पिया है। वह बोल नहीं पा रही है। उसके दांत टूट गए हैं। भगदड़ मची थी। उसे चक्कर आया और वह रेलिंग पर गिर गई। बेहोश होने के बाद हमें एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने कहा- श्री महाकालेश्वर मंदिर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन निर्बाध रूप से जारी हैं। मंदिर परिसर में किसी भी तरह की अफरा-तफरी या अप्रिय घटना नहीं हुई है। श्रद्धालु सुगमता और व्यवस्थित तरीके से भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर रहे हैं। सावन के सोमवार के साथ नाग पंचमी का पर्व भी साथ पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बंगाल में बीरभूम के होटल में आग, 8 की मौत

● 9 झुलसे, शॉर्ट सर्किट से हादसा, सावन सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

बीरभूम (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के एसपी

विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंचेगी।

एक महिला और 2 बच्चे लापता

एक अन्य महिला ने बताया कि वो साउथ 24 परगना से रविवार दोपहर पूजा करने आई थी। उनके साथ उनकी मां और बच्चे थे। उनकी मां रूम नंबर एक में थी। अब उनकी मां और दो बच्चे नहीं मिल रहे हैं। हादसे में बची कोलकाता की महिला ने बताया- अचानक पूरी होटल में धुआं भर गया।

बैंकिंग सुधारों के लिए जल्द बनेगी हाई-लेवल कमेटी

वित्त मंत्री ने कहा-बैंकों का एनपीए सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार जल्द ही बैंकिंग सेक्टर में सुधारों के लिए अपनी हाई-लेवल कमेटी का ऐलान करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय पीएसबी कॉन्फ्लुएंस 2026 के पहले दिन यह घोषणा की। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, इस कमेटी का गठन इसी महीने किया जा सकता है। इस हाई-लेवल कमेटी को गठित

करने का प्रस्ताव सबसे पहले केंद्रीय बजट 2026-27 में रखा गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर हाई-लेवल कमेटी बनाने के प्लान का ऐलान किया था। इसका मुख्य मकसद बैंकिंग सेक्टर को देश के आर्थिक विकास के लक्ष्यों के अनुरूप ढालना और समीक्षा करना है। हालांकि, अभी तक इस समिति का औपचारिक रूप से गठन होना बाकी है।

2047 के विकसित भारत लक्ष्य पर फोकस रहेगा- वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह पैनल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बैंकों की भूमिका पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि कमेटी विकसित भारत की ओर बैंकों की भूमिका की समीक्षा करेगी।

स्मृति-राजे की वापसी दक्षिण-पूर्व के चेहरों को मौका

2027 के रण से पहले भाजपा की नई टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया है। इस संगठनात्मक फेरबदल में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में इन दोनों दिग्गजों की एक बड़ी संगठनात्मक वापसी माना जा रहा है। इसके साथ ही इस नई टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। इस नई सूची में राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांडा, और मनप्रीत सिंह बादल जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष 8 राष्ट्रीय महामंत्री

बीजेपी की नई टीम में एम नागराजा, लाल सिंह आर्य, वर्षाबेन दोशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। बैजयंत जय पांडा, रेखा वर्मा, मधुचंद्र इस टीम में बरकरार हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारती पवार, मनप्रीत सिंह बादल, तारिक मंसूर को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है।

नितिन नवीन की टीम में 12 महिलाएं, यूपी से 3

BJP अध्यक्ष नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में 12 महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें वसुंधरा राजे, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन दोशी, डॉ. भारती पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी, कविता पाटीदार, फांग्नोन कोन्यक और संगीता यादव राष्ट्रीय मंत्री बनी हैं। इसके अलावा रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा अध्यक्ष और प्रीति गांधी को सोशल मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी मिली है। सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश की 3 महिलाओं का है, जबकि महाराष्ट्र की 2 और बाकी राज्यों की 1-1 महिला हैं।

राहुल-सोनिया पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप

जांच शुरू, दावा-राहुल ने वंदे मातरम गाने से इनकार किया था

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत 16 अगस्त को एस्टेट थाने में एक वकील ने दी थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के

शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया। शिकायत में एक वीडियो का भी जिक्र है। इसमें राहुल गांधी के कथित तौर पर 'हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे' कहने का दावा किया गया है। उधर, भाजपा ने सोनिया गांधी के खिलाफ बेंगलुरु और मंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की।

बीजेपी बोली- सोनिया गांधी माफी मांगें

कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू ने कहा कि सोनिया और राहुल गांधी को वंदे मातरम के अपमान के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। माफी मिलने तक विरोध जारी रहेगा।

भीषण बाढ़-बारिश से यूपी-ओडिशा के बिगड़े हालात

कारें-बाइकें डूबीं, शहर की गलियों में चल रही हैं नावें

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, ओडिशा के केंद्रपाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी एससी/एसटी आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बुरे हालात हैं।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत

ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई। हादसा रविवार रात जलेश्वर ब्लॉक के कपासुड़ा गांव में हुआ। दीवार उनके एस्बेस्टस वाले घर की छत पर गिर गई, जिससे परिवार मलबे में दब गया। मृतकों की पहचान 65 साल की राधिका जेना और उनके 18 साल के पोते ज्योति प्रकाश स्वैन के रूप में हुई है। उनकी पोती स्मृतिलेखा स्वैन गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में इलाज चल रहा है। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश को दीवार गिरने की वजह बताया जा रहा है।

बिहार के लखीसराय जिले में भगदड़, 7 महिलाओं की मौत

मंदिर में जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे, करंट फैलने की अफवाह उड़ी

लखीसराय (एजेंसी)। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया।

रूस का यूक्रेन पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमला

भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल के स्टील प्लांट को निशाना बनाया, 2 की मौत

मास्को (एजेंसी)। रूस ने रविवार रात यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल के स्टील प्लांट पर मिसाइल हमला किया। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 13 कर्मचारी व ठेकेदार घायल हुए हैं। यह यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। हमले के बाद प्लांट में प्रोडक्शन का कुछ काम रोकना पड़ा। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। हमले के बाद दमकलकर्मी, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव का काम जारी है। इस प्लांट पर रूस पहले भी हमला कर चुका है। 2022 में हुए रूसी मिसाइल हमले में प्लांट की एक रोलिंग मिल नष्ट हो गई थी और एक कर्मचारी की मौत हुई थी। यहां स्टील बनाने के लिए बड़े ब्लास्ट फर्नेस और दूसरी उत्पादन इकाइयां हैं। रूस के हमले में

इन्हीं उत्पादन से जुड़े कुछ अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसलिए कंपनी ने प्लांट का कुछ काम अस्थायी रूप से रोक दिया है।

रामंदिर चढ़ावा चोरी

अजनबियों को नहीं दी जा सकती है एसआईटी रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में बोले एसजी,कोर्ट ने कहा-सीलबंद लिफाफे में हमें दीजिए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कोर्ट से कहा कि उन्हें भी जांच से जुड़ी रिपोर्ट दी जानी चाहिए, ताकि वे अदालत की मदद कर सकें। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार

मेहता ने कहा- जांच रिपोर्ट ऐसे लोगों को नहीं दी जा सकती, जो मामले से सीधे जुड़े नहीं हैं। इस पर वकील ने कहा- हम अजनबी नहीं हैं। यह याचिका भारत की जनता की ओर से दायर की गई है। उन्होंने कहा- हमें सच जानने का मौलिक अधिकार है। अगर जांच से जुड़ी जानकारी किसी आरोपी या जांच में मदद कर रहे व्यक्ति को दे दी गई और याचिकाकर्ताओं को इससे दूर रखा गया, तो वे अदालत की सहायता करने की स्थिति में नहीं रहेंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- एसआईटी का गठन हमने किया है। यह अदालत के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी है। इसे अपनी रिपोर्ट हमें ही सौंपनी होगी। एक फॉरेंसिक ऑडिटर वाली एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करे। रिपोर्ट को पहले हम देखेंगे।

सीबीआई को जांच के लिए आदेश क्यों चाहिए

● सुप्रीम कोर्ट बोला-हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगाई ● राहुल गांधी की आय से अधिक संपत्ति का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगा दी है। सीबीआई और ईडी को भी निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। सीबीआई अभी सिर्फ एक शिकायत की जांच कर रही है। बेंच ने पूछा कि अगर मामला इतना गंभीर है, तो सीबीआई-ईडी को जांच के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है। राहुल ने सुप्रीम

कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया था। राहुल ने मामले की सुनवाई किसी दूसरे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग भी की है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया था। उन्होंने सीबीआई और ईडी से इसकी जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद कोर्ट ने आरोपों के वेरिफिकेशन के आदेश दिए थे।

हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा था नया हलफनामा

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया था। कोर्ट ने एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी को जांच की अब तक की स्थिति बताते हुए नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई का पहले दाखिल किया गया हलफनामा उसके पुराने आदेश के मुताबिक नहीं था। कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले सीबीआई के नई दिल्ली के एंटी करप्शन हेडक्वार्टर के संबंधित जोन के जेडी को व्यक्तिगत रूप से नया हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था।

दिल्ली मार्च की अनुमति दें: डल्लेवाल ने मोदी और हरियाणा सरकार से की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन एकता (सिद्धूपुर) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार से अपील की है कि वे भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने दें। किसान खनौरी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसान सीमित संख्या में शांतिपूर्ण पैदल मार्च करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें खनौरी बॉर्डर पर रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि रात होने पर भी किसान सड़क किनारे सो रहे हैं, पर दृढ़ हैं। उनका कहना था कि हरियाणा सरकार से उनका कोई झगड़ा नहीं है, वे केवल दिल्ली तक पहुंचना चाहते हैं। किसान नेता ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने को मुख्य मांग बताया। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। डल्लेवाल ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेकर रास्ता दिखाने की मांग की। हरियाणा पुलिस ने किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए खनौरी चेकपॉइंट पर भारी बैरिकेडिंग की है, जिससे किसान वहीं रात बिताने को मजबूर हैं।

गाजियाबाद में चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, मौत

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला। एनएच-9 पर मीडिया हाउस के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार रवि राज (28) की गर्दन बुरी तरह कट गई, जिससे अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर प्रशासन के दावों और जानलेवा मांझे के प्रतिबंध पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नोएडा के अकबरपुर बहरामपुर निवासी रवि राज अपने साथी नरेश के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन एनएच-9 से बाइक पर गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक हवा में लटका एक तेज धार वाला चाइनीज मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि उसने रवि राज की गर्दन को बुरी तरह काट दिया, जिससे वह बाइक से गिरकर सड़क पर लहूलुहान हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। साथी नरेश ने खून रोकने की भरसक कोशिश की, लेकिन गहरा जख्म होने के कारण रक्तस्राव अनियंत्रित रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रवि राज को वैशाली स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इस घटना से जुड़ा एक भयावह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रवि राज गंभीर हालत में सड़क पर पड़ा दिखाई दे रहा है। यह हादसा एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खुलेआम इस्तेमाल और बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद यह जानलेवा मांझा बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और प्रशासन से मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इसकी सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई और जान इस खतरनाक डोर की वजह से न जाए। प्रशासनिक निगरानी की कमी और प्रभावी प्रतिबंध लागू न हो पाना ऐसे हादसों का मुख्य कारण बनता जा रहा है।

पीएम मोदी से हाथ मिलाने वाले बच्चे का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली बच्चों के साथ एक यादगार और भावुक पल सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ है। हाल ही में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, भाषण समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और माई भारत स्वयंसेवकों के बीच पहुंचे। इस दौरान बच्चों में प्रधानमंत्री मोदी को अपने करीब देखकर अभूतपूर्व उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को लाल साफा पहने बच्चों की कतार की तरफ बढ़ते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही बच्चों को एहसास होता है कि पीएम मोदी उनकी तरफ आ रहे हैं, उनका एक्साइटमेंट लेवल बढ़ जाता है। इसी दौरान भीड़ में से एक उत्साहित आवाज़ सुनाई देती है- यार! ओ भाई! गाइज मैंने अभी-अभी पीएम मोदी से हाथ मिलाया है, सब्सक्राइब माय फ्रेंड। यह हल्का-फुल्का और मासूम पल तुरंत सबका ध्यान खींचने लगा और लोगों को खूब पसंद आया। इस मौके पर एक और हृदयस्पर्शी दृश्य भी सामने आया, जब एक बच्ची का पैर छूते वक्त उसकी टोपी गिर गई और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं झुककर टोपी उठाकर बच्ची को पहनाई। ये दोनों ही क्षण दिखाते हैं कि कैसे बच्चे और युवा प्रधानमंत्री मोदी को करीब से देखकर अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे थे। यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग बच्चों की मासूमियत और उत्सुकता भरे रिएक्शन को खूब सराह रहे हैं। हजारों की संख्या में शेयर किया जा रहा है।

वंदे मातरम् न गाने के विरोध में सीएम सतीशन का पुतला फूंका

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर केरल में वंदे मातरम् नहीं गाए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के पुतले जलाए। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'क्लिफ हाउस' तक पहुंचे और वहां विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव एस. सुरेश ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए आरोप लगाया कि भारत के विभाजन का नेतृत्व करने वाले जिन्ना की तरह ही मुख्यमंत्री सतीशन भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी के दबाव में काम कर रहे हैं। एस. सुरेश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित अन्य राज्यों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वंदे मातरम् गाया गया, लेकिन केरल में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस मुस्लिम लीग और अन्य संगठनों के दबाव में है। भाजपा नेता ने कहा कि वंदे मातरम् को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शोन जॉर्ज, शहर जिला अध्यक्ष करमना जयन और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वी. मनुप्रसाद समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों का दर्द: देशद्रोही और आतंकवादी कहा, 6 घंटे बंधक बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की और यह संघर्ष शांति, संयम, प्रेम और हास्य के साथ लड़ा। राहुल गांधी ने करीब साढ़े दस मिनट का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे नीट प्रदर्शन में शामिल रहे छात्रों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। छात्रों ने बातचीत के दौरान पुलिस कार्रवाई, कथित लाठीचार्ज और हिरासत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता की और कई छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ छात्रों ने पैलेट गन के इस्तेमाल का भी दावा किया और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं बताईं।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही और आतंकवादी कहा गया, कई लोगों को घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके मोबाइल फोन ले लिए गए। कुछ छात्राओं ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के गलत इस्तेमाल तथा मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया।

छात्रों ने दावा किया कि कुछ लड़कियों को कैमरे के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उन्होंने कोई गलती नहीं की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब माफी स्वेच्छा से नहीं मांगी गई थी तो उसे स्वीकार करने का क्या औचित्य था। छात्रों ने पूरी घटना को दिखावा करार दिया।

राहुल गांधी ने विशेष रूप से छात्राओं के संघर्ष और हिम्मत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों, कथित बदसलूकी, धमकियों और दबाव के बावजूद लड़कियों का हौसला नहीं टूटा है। उनका कहना है कि देश की बेटियों की आवाज अब दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल गांधी ने बताया कि 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से लड़कियों के लिए होगा, जहां वे खुलकर अपनी बात रखेंगी। उन्होंने युवाओं और आम लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की है। इसके लिए पोस्ट में रजिस्ट्रेशन की जानकारी और क्यूआर कोड भी साझा किया गया है।

कर्नाटक में 3 तमिलों की हत्या की मुख्यमंत्री विजय ने कड़ी निंदा की, निष्पक्ष जांच की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन ''तमिलों'' के मारे जाने की कड़ी निंदा की है। यह घटना 15 अगस्त की सुबह चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में हुई थी, जिसमें एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार नामक 3 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री विजय ने घटना को बेहद पीड़ादायक और निर्मम हत्या बताकर कर्नाटक वन विभाग द्वारा दी गई सफाई को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने एक उच्च-स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है, जिससे दोषियों को उचित सजा मिले और पीड़ितों के परिवारों को पड़ोसी राज्य से आवश्यक मुआवजा प्राप्त हो सके। विजय ने कर्नाटक सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन ने क्रूर और अमानवीय कृत्य पर हैरानी जताकर तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह मामले में चुप नहीं रहने का आग्रह किया है। दूसरी ओर, कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घातक घटना शनिवार सुबह शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई, जब संदिग्ध शिकार गतिविधि की सूचना पर वनकर्मियों का सामना चार लोगों से हुआ, जिसमें से एक मौके से फरार हो गया। मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की शिकायत के आधार पर, हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या की सजा से संबंधित) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देने की बात कहकर मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों, जिसमें आत्मरक्षा या गोलीबारी की शुरुआत किसने की, का पता लगाया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को जैश-तालिबान से जोड़ा, रजिस्ट्रेशन पर बहस गर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से कर नया विवाद खड़ा किया है। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने कहा कि इन तीनों संगठनों में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये सभी भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उन्होंने वंदे मातरम और राष्ट्रगान से जुड़े विवादों का ज़िक्र कर कहा कि केरल के वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस के बारे में बिल्कुल सही कहा था, जो न राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। ये टिप्पणियां सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ वंदे मातरम में कथित बाधा डालने पर एफआईआर दर्ज होने और वीसी कुन्नुम्मल द्वारा हाल ही में राष्ट्रगीत का विरोध करने वालों की निंदा के बाद आई हैं।

आरएसएस के पंजीकरण को लेकर छिड़ी बहस के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल.संतोष ने पलटवार कर कहा कि संघ को कानूनी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान कागज़ी कार्रवाई से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से होती है और यह 1925 से बिना किसी कानूनी दर्जे के सफलतापूर्वक काम कर रहा है। संतोष ने विभाजन जैसे मुश्किल समय में भी आरएसएस के योगदान को रेखांकित किया।

इस पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने संघ से स्पष्ट करने की मांग की कि वह किन भारतीय कानूनों के तहत संपत्ति रखती है, बैंक खाते चलाती है और दान प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली संस्थाएं सीधे तौर पर संपत्ति कैसे रख सकती हैं? खड़गे ने संगठन के ऑडिट किए गए खातों और टैक्स फाइलिंग की जानकारी भी मांगी, यह कहते हुए कि कानूनी पारदर्शिता की जगह इतिहास नहीं ले सकता और बढ़ती पहुंच के साथ सार्वजनिक जवाबदेही भी बढ़नी चाहिए।

कुंभ से पहले बदल रही हरिद्वार की तस्वीर, निर्माण कार्यों में तेजी के मेलाधिकारी ने दिए निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार) कुंभ मेला-2027 में देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए हरिद्वार में प्रमुख मार्गों, पुलों और संपर्क मार्गों को बेहतर स्वरूप देने का काम तेज कर दिया गया है। मेलाधिकारी सोनिका ने सोमवार को मंडावर-छुटमलपुर से लेकर शिवालिक नगर और ज्वालापुर क्षेत्र तक विभिन्न निमार्णाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कुंभ से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश सीमा पर मंडावर में निमार्णाधीन स्वागत द्वार का निरीक्षण किया। करीब 204.19 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस द्वार को कुंभ क्षेत्र में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कार्य में तेजी लाने और आसपास सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने धनौरी-सिडकुल संपर्क मार्ग पर पथरी रोह नदी तथा पुरानी गंग नहर साइफन के डाउनस्ट्रीम में बन रहे पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महत्वपूर्ण परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

मेलाधिकारी ने भाईचारा ढाबा से बीएचईएल बैरियर नंबर-6, शिवालिक नगर चौक और बीएचईएल मध्य मार्ग तक चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य का भी जायजा लिया। ज्वालापुर से ईदगाह, सुभाषनगर-पीएसी होते हुए शिवालिक नगर तक सड़क नवीनीकरण और आबादी वाले क्षेत्रों में इंटरलॉकिंग टाइल्स के कार्य की प्रगति भी देखी। किलोमीटर-3 में पथरी रोह नदी पर 60 मीटर लंबे प्री-स्ट्रेस्ड आरसीसी पुल के निर्माण को भी उन्होंने समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़कों से अतिक्रमण हटाने तथा सड़कों, पुलों और डिवाइडरों के आसपास योजनाबद्ध पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। शिवालिक नगर चौक के सुधार और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर देते हुए यातायात व पैदल आवागमन को ध्यान में रखकर आवश्यक कार्य कराने को कहा। भगत सिंह चौक पर सौंदर्यीकरण और फुटपाथ निर्माण का निरीक्षण कर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित सुविधाएं विकसित करने के निर्देश भी दिए।

सोनिका ने कहा कि कुंभ के लिए विकसित की जा रही आधारभूत सुविधाओं का लाभ मेला समाप्त होने के बाद भी हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों को मिलेगा। इसलिए सभी परियोजनाएं गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और टिकाऊ बनाई जाएं। निरीक्षण के दौरान पीआईयू के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुश, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल, एचआरडीए के उद्यान अधिकारी ए.आर. जोशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कुंभ की तैयारियों के तहत पेयजल योजनाओं में तेजी, अपर मेलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार) कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में अवस्थापना विकास और जनसुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। मेला अवधि में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने सोमवार को तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिकारियों के साथ कनखल और उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र में पेयजल से जुड़ी निमार्णाधीन योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने उत्तराखंड जल संस्थान द्वारा पेयजल वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइनों की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य की गति का जायजा लिया। अपर मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को पाइपलाइन बिछाने के कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से पेयजल की मांग भी बढ़ेगी, इसलिए सभी योजनाओं को समय पर पूरा करना जरूरी है। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने के दौरान की जा रही खुदाई में आम लोगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। खुदाई वाले स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने और कार्य पूरा होने के बाद सड़क व सार्वजनिक स्थान को समतल कर सुरक्षित बनाने को कहा। साथ ही निर्माण कार्यों के कारण यातायात और आमजन के आवागमन में अनावश्यक परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए।

भूपतवाला क्षेत्र में उन्होंने पावन धाम और प्राइमरी पाठशाला पंपिंग पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन कार्य का भी निरीक्षण किया। दोनों योजनाओं की क्रमशः 85 और 95 प्रतिशत प्रगति पर उन्होंने संतोष जताया और शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। दयानंद सरस्वती ने कहा कि स्वच्छ, पर्याप्त और निर्बाध पेयजल आपूर्ति कुंभ मेला-2027 की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी के साथ निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान उत्तराखंड जल संस्थान के अधिशासी अभियंता विपिन चौहान, सहायक अभियंता राकेश बमराड़ा, मनोज डबराल और तकनीकी प्रकोष्ठ के अभियंता अतुल शांडिल्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और 4 दिसंबर, 2024 को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

हरसिमरत ने नांदेड़ की घटना को हत्या की एक कायराना और जघन्य कोशिश बताया। उन्होंने घटना की गंभीरता, उसके तरीके और परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र से इसकी जांच एनआईए को सौंपने की अपील की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में 13 अगस्त, 2026 के हमले और 4 दिसंबर, 2024 की पिछली घटना, दोनों की उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध और किसी बड़ी साजिश की भी जांच करने को कहा। हरसिमरत ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखे अपने पत्र में कहा कि इन दोनों जानलेवा कोशिशों में कई परेशान करने वाली समानताएं थीं, जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पंजाब में राजनीतिक संघर्ष के लिए हिंसा को सामान्य और उचित ठहराने के तरीके पर चिंता व्यक्त की।

सांसद हरसिमरत ने कहा कि केवल एक स्वतंत्र केंद्रीय जांच ही घटनाओं की पूरी कड़ी का पता लगा सकती है, इसमें शामिल व्यक्तियों और संगठनों की पहचान हो सकती है, हमलों के जुड़ाव की पुष्टि कर सकती है, किसी भी संभावित चरमपंथी या विदेशी लिंक की जांच कर सकती है, और यह भी निर्धारित कर सकती है कि क्या सरकारी अधिकारियों की ओर से कोई विफलता, मिलीभगत या जानबूझकर कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

-पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल 'व्यवस्था' छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।÷ पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी– एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी– शायद संभव नहीं होती।

कांग्रेस से शुरू किया था सियासी सफर

38 वर्षीय पूनावाला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का विरोध करने और कांग्रेस छोड़ने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आए। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए। भाजपा में रहते हुए पूनावाला टीवी डिबेट, प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रमुख नेताओं में रहे। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा के दिल्ली आईटी और सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

मुस्लिम चेहरा के कारण आगे किया?

कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल पूनावाला को अक्सर विवादित और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा का पक्ष रखने के लिए आगे किया जाता था। अब उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व से संगठनात्मक जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से मुक्त करने का आग्रह किया है। हालांकि, उनके पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विजन के प्रति समर्थन जारी रखने की बात कही गई है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स : सुधार के लिए नगर निगम खरीदेगा 12 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम वायु गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है और वार्षिक प्लान भी तैयार किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों से एयर क्वालिटी को लेकर तैयार हुए प्लेन पर समीक्षा की। मौके पर निर्माण विभाग से मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, डॉ मिथिलेश नगर स्वास्थ्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनके द्वारा चल रही तैयारी के बारे में बताया गया। गाजियाबाद के निवासियों को स्वच्छ शहर मिले साथ ही वायु गुणवत्ता में भी सुधार हो नगर निगम द्वारा तेजी से कार्य चल रहा है, जिसमें अधिकारी वार्षिक योजना बना चुके है। नगर आयुक्त ने बताया कि शहर की हवा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर प्लानिंग के क्रम में कार्य चल रहा है, जिसमें निर्माण तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रूप से आगामी कार्य योजना बनाई गई है। सड़कों के सुधार के लिए स्थान का चयन किया जा चुका है। एयर क्वालिटी सुधार के क्रम में लगभग 191 किलोमीटर सड़क निर्माण आगामी वर्ष में किया जाएगा, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों को भी बढ़ाया जाएगा। एंटी स्मोक गण को भी आवश्यकता के साथ बढ़ाया जाएगा। सी एंड डी वेस्ट कलेक्शनपॉइंट को बढ़ाने की निर्देश टीम को दिए गए हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन के कार्य में

गति लाने का कार्य चल रहा है। ट्रेफिक कंजेशन पॉइंट पर भी अधिकारियों ने कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट की कैपेसिटी को भी बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है, जिससे शहर से निकलने वाले कचरे का निस्तारण समय से और रफ्तार से किया जा सके प्रयास चल रहा है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि एयर क्वालिटी सुधार के क्रम में वर्तमान में 13 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन कार्य कर रही है, जिनको बढ़कर 25 किया जाएगा। 12 अन्य मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन शहर के लिए खरीदी जा रही है। पांच आधुनिक एंटी स्मोक गण भी खरीदी जा रही है। एयर क्वालिटी सुधार के लिए सड़कों पर एंटी स्मोक गण 15 से बढ़कर 20 हो जाएगी। गाजियाबाद नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग मैन्युअल तथा मैकेनाइज्ड तरीके से सड़कों को धूल मुक्त बनाए रखने का कार्य भी रफ्तार से कर रहा है, जिसमें जन सहयोग भी मिल रहा है। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि एयर क्वालिटी सुधार के लिए 163 किलोमीटर सड़क बनाने का टारगेट पूरा करने के क्रम में 37 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है, जिसमें 126 किलोमीटर सदके इस वर्ष बनाई जानी है। इसके अलावा 65 किलोमीटर अन्य मुख्य सड़कों के निर्माण हेतु डीपीआर शासन को भेजी जा चुकी है। गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग वायु गुणवत्ता सुधार के क्रम में इस बार 191 किलोमीटर सड़कों को बनाने का लक्ष्य बना रहा है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा नब वेस्ट प्लांट भी लगाए गए है।

चाऊमीन खाने गए युवक पर दोस्त ने की फायरिंग, दो गोलियां लगने से हुआ घायल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विजयनगर थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब चाऊमीन खाने गए एक युवक पर उसके ही दोस्त ने अपने साथी के साथ मिलकर फायरिंग कर दी। गोली लगने से युवक आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी बाइक से मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए संतोष अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रताप विहार निवासी आकाश प्रीत स्वदेशी चौक के पास चाऊमीन खाने के लिए गया था। इसी दौरान उसका परिचित अमन अपने एक साथी के साथ बाइक पर वहां पहुंचा। अमन ने आकाश को निशाना बनाते हुए अचानक फायरिंग कर दी। फायरिंग में आकाश को दो गोलियां लगीं, जिससे वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अमन अपने साथी के साथ बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में दोनों युवकों के बीच पहले से विवाद होने की बात सामने आई है। फायरिंग से पहले आकाश और अमन के बीच कहासुनी व गाली-गलौज भी हुई थी। इसी विवाद के बाद अमन ने कथित तौर पर तमंचे से आकाश पर गोली चला

दी। पुलिस अब विवाद के वास्तविक कारण और फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार की जानकारी जुटा रही है। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि घायल युवक को संतोष अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। फुटेज के आधार पर आरोपियों के भागने के रास्ते और उनकी बाइक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

गंगा नदी पर पीपा पुल को लेकर अमरोहा और हापुड़ के जिलाधिकारियों ने की संयुक्त समीक्षा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गंगा नदी पर पांटून पुल यानी पीपा पुल के निर्माण, रख-रखाव और सुचारू संचालन को लेकर अमरोहा और हापुड़ के जिलाधिकारियों ने संयुक्त समीक्षा बैठक कर स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी अमरोहा नितिन गौड और जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीना ने पुल की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गंगा नदी पर बने पीपा पुल, उससे जुड़े संपर्क मार्ग, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने पुल से प्रतिदिन होने वाले आवागमन तथा दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही की जानकारी ली। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों जनपदों के संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए

पुल को खोलने और बंद करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही आपात स्थिति में वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने और गोताखोरों की तैनाती की व्यवस्था पर विचार किया गया। दोनों जिलाधिकारियों ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ पुल के रख-रखाव, साफ-सफाई और आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारियों ने कहा कि पांटून पुल दोनों जनपदों के बीच आवागमन और संपर्क का महत्वपूर्ण साधन है। श्रद्धालुओं तथा आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी संबंधित विभाग पूरी तरह सतर्क रहें। उल्लेखनीय है कि गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों जनपदों के अधिकारियों को गंगा नदी पर पांटून पुल के निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। संयुक्त समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण को उसी दिशा में आगे बढ़ती कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर की साहित्यिक पत्रिकाओं में बाल उमंग की खास पहचान

हापुड़ (शिखर समाचार) हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी और डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के नालंदा सभागार में दिल्ली-एनसीआर की सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं का समागम-विमर्श एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनसीआर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, साहित्यकार, संपादक और संस्कृतिकर्मी शामिल हुए। इस दौरान धौलाना की शिक्षिकाओं और प्रतिष्ठित बाल साहित्य पत्रिका बाल उमंग की संपादक ऋतु श्रीवास्तव तथा सहायक संपादक पारुल प्रियम ने साहित्यिक पत्रिकाओं की चुनौतियों और भविष्य को लेकर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के साथ हुआ। मुख्य अतिथि दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव डॉ. रश्मि सिंह तथा विशिष्ट अतिथि मीडिया शिक्षिका और लेखिका प्रो.

डॉ. वर्तिका नंदा रहीं। हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष सुधाकर पाठक और अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के निदेशक कर्नल आकाश पाटील ने अतिथियों का स्वागत किया।

ह्यवर्तमान समय में साहित्यिक पत्रिकाओं की चुनौतियां और भविष्य विषय पर आयोजित विमर्श सत्र में ऋतु श्रीवास्तव और पारुल प्रियम ने बाल उमंग का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में पाठकों तक पहुंच बनाना साहित्यिक पत्रिकाओं के लिए बड़ी चुनौती है, लेकिन इन पत्रिकाओं की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है। साहित्यिक पत्रिकाएं समाज में वैचारिक संवेदना, भाषा, संस्कृति और रचनात्मक संवाद को जीवित रखने का कार्य कर रही हैं। ऋतु श्रीवास्तव ने बाल साहित्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बाल उमंग जैसी पत्रिकाएं बच्चों को साहित्य, संस्कार और मानवीय मूल्यों से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। पारुल प्रियम ने बदलते समय के साथ साहित्यिक पत्रिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों और नई संभावनाओं पर विचार रखे।

दूसरे सत्र में एनसीआर की विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और पत्रिकाओं के संपादकों को अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न तथा पर्यावरण-अनुकूल पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि डिजिटल माध्यमों के विस्तार के बावजूद साहित्यिक पत्रिकाओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। कार्यक्रम का समापन साहित्य और संस्कृति से जुड़े रचनात्मक प्रयासों को आगे बढ़ाने तथा संस्थाओं के बीच निरंतर संवाद बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

अब घर बैठे बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस, परिवहन विभाग ने शुरू की फेसलेस सेवा

हापुड़ (शिखर समाचार) परिवहन विभाग ने वाहन चालकों और आवेदकों को बड़ी राहत देते हुए लाइसेंस सहित विभाग की अधिकांश सेवाओं को फेसलेस और स्वचालित स्वीकृति व्यवस्था से जोड़ना शुरू कर दिया है। अब लोगों को छोटे छोटे कार्यों के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने से लेकर उसके नवीनीकरण और लाइसेंस में नाम अथवा पते में संशोधन जैसी कई सेवाओं का लाभ घर बैठे ऑनलाइन लिया जा सकेगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन छवि चौहान ने बताया कि परिवहन विभाग की कुल 58 सेवाओं में से 52 सेवाओं को फेसलेस किया जा रहा है, जबकि 39 सेवाएं पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आवेदकों को कार्यालय आने की जरूरत काफी कम हो जाएगी। आवेदन से लेकर दस्तावेज अपलोड करने और शुल्क जमा करने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से कई सेवाओं का लाभ घर बैठे लिया जा सकेगा। इनमें डुप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस जारी कराना, लाइसेंस का नवीनीकरण तथा नाम और पते में संशोधन जैसी सेवाएं शामिल हैं। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संबंधित दस्तावेज आवेदक तक पहुंचाए जाएंगे। परिवहन विभाग की इस व्यवस्था से लोगों के समय और धन दोनों की बचत होने की उम्मीद है। साथ ही कार्यालयों में अनावश्यक भीड़ कम होगी और कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी। विभाग का मानना है कि ऑनलाइन और फेसलेस सेवाओं के विस्तार से आवेदकों को दलालों के चंगुल से भी राहत मिलेगी। हालांकि कुछ निर्धारित सेवाओं के लिए आवेदकों को अभी भी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय जाना पड़ेगा।

तहसील दिवस से पहले जिलाधिकारी ने पांच गर्भवती महिलाओं की कराई गोद भराई, बांटी पोषण किट

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) संपूर्ण समाधान दिवस में भाग लेने से पहले जिलाधिकारी कविता मीना ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म विधि-विधान से संपन्न कराते हुए उन्हें फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां और पोषण किट प्रदान की। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन और प्रसव पूर्व देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

समाधान दिवस में खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, मारपीट, शांति भंग और साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें पहुंचीं। इसके अलावा पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क, विद्युत और पेयजल से जुड़ी

समस्याएं भी अधिकारियों के समक्ष रखी गईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन कर निर्धारित समयसीमा में निस्तारण किया जाए। भूमि विवादों के मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्रवाई करें तथा शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी फोन पर भी दी जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ितों की सुनवाई थाना स्तर पर ही सुनिश्चित कराने के लिए थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राम यादव, क्षेत्राधिकारी राहुल यादव, तहसीलदार पवन यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ब्याज सहित गन्ना भुगतान की मांग, किसानों ने जिलाधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने गन्ना किसानों के बकाया भुगतान पर ब्याज दिए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया और 16 जुलाई 2026 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ द्वारा दिए गए आदेश का हवाला देते हुए किसानों को उनके बकाया गन्ना मूल्य का ब्याज सहित भुगतान कराने की मांग की। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि न्यायालय के आदेश के अनुसार गन्ना पेराई सत्र 1996-97 से 2025-26 तक 14 दिन से अधिक विलंब से किए गए गन्ना मूल्य भुगतान पर 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिए जाने की बात कही गई है। संगठन का कहना है कि किसानों को यह जानकारी उपलब्ध होनी चाहिए कि विभिन्न पेराई सत्रों में उनके भुगतान में कितनी देरी हुई और उन्हें ब्याज के रूप में कितनी धनराशि मिलनी है। किसान नेताओं ने जिला गन्ना अधिकारी से सभी पेराई सत्रों में देय 15 प्रतिशत ब्याज का वर्षवार विस्तृत विवरण जल्द उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि विवरण मिलने के बाद किसान अपने बकाया ब्याज की वास्तविक स्थिति जान सकेंगे और भुगतान की प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता आएगी।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि 15 प्रतिशत ब्याज का वर्षवार विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया तो 20 अगस्त 2026 से जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन ने प्रशासन से किसानों की मांग पर गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के हापुड़ जिलाध्यक्ष अशोक कुमार डीगरा, वीरेश चौधरी सहित संगठन के कई किसान पदाधिकारी मौजूद रहे।

आवारा कुत्तों के हमले से 5 वर्षीय मासूम की हुई मौत, इलाके में दहशत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मसूरी थाना क्षेत्र के नहल गांव में आवारा कुत्तों के हमले में 5 वर्षीय मासूम अमन की मौत हो गई। मासूम की मौत के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने नगर निगम से आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी आवारा कुत्तों के हमले में बच्चे घायल हो चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। परिजनों के मुताबिक अमन अपनी मां के पीछे-पीछे घर से बाहर निकला था। इसी दौरान मोहल्ले में मौजूद आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-

फानन में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। मासूम की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान अमन ने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों में भी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का कहना है कि नहल गांव और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई बार कुत्ते राहगीरों और बच्चों पर हमला कर चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। घटना को लेकर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पशु प्रेम होना अच्छी बात है, लेकिन यदि आक्रामक हो चुके जानवरों से इंसानी जान को खतरा पैदा हो रहा है तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सांसद ने लोगों से अपील कि यदि वह कुत्तों से प्रेम करते हैं तो उन्हें घर में पालें और सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने से बचें। उन्होंने कहा कि वह पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे और मामले को लेकर न्यायालय में भी प्रयास करेंगे। अमन के चाचा ने बताया कि इलाके में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है। इससे पहले भी कुत्तों के हमले में कई बच्चे घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि क्षेत्र में घूम रहे आक्रामक और आवारा कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए। साथ ही ऐसे स्थानों को चिन्हित कर प्रभावी कदम उठाए जाएं, जहां बड़ी संख्या में कुत्ते जमा रहते हैं। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में भी ऐसी दर्दनाक घटनाएं हो सकती हैं।

राष्ट्र की मजबूती और तरक्की के लिए सामाजिक एकता व भाईचारा जरूरी

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कौमी एकता कमेटी खतौली के तत्वावधान में बुढ़ाना रोड स्थित एक गार्डन में सद्भावना समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोगों ने भाग लेकर आपसी प्रेम, एकता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। मुख्य अतिथि के रूप में लुधियाना, पंजाब की जामा मस्जिद के शाही इमाम हजरत मोहम्मद उस्मान रहमानी शामिल हुए। खतौली पहुंचने पर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं से सजा मंच आकर्षण का केंद्र रहा। वक्ताओं ने कहा कि देश की मजबूती, विकास और तरक्की के लिए सामाजिक एकता तथा आपसी भाईचारा बेहद जरूरी है। सभी धर्म मानवता, प्रेम, शांति और सद्भावना का संदेश देते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी विश्वास मजबूत होता है और लोगों को एक-दूसरे के धर्म एवं विचारों का सम्मान करने की प्रेरणा मिलती है। वक्ताओं ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में एकता है। अलग अलग धर्म, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग लंबे समय से मिल जुलकर रहते आए हैं। आपसी सौहार्द और भाईचारे को मजबूत रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। समारोह में एकता, भाईचारा और सद्भावना का संदेश लगातार गूंजता रहा। काजी अदील अहमद, काजी नबील अहमद, कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अशोक शर्मा, सत्येंद्र आर्य, डॉ. अथर सहित कमेटी के अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोगों की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन ने खतौली की गंगा जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की खूबसूरत तस्वीर पेश की। उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता और भाईचारे को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

लायंस क्लब हापुड़ ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज का संयुक्त उत्सव

हापुड़ (शिखर समाचार) लायंस क्लब हापुड़ के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज के अवसर पर संयुक्त उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। क्लब के सदस्यों ने परिवार सहित उत्सव में भाग लेकर कार्यक्रम को पारिवारिक और खुशनुमा बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और देशभक्ति गीतों के साथ हुई। इसके बाद आयोजन हरियाली तीज के रंग में रंग गया। महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया और हरे परिधानों

में सजकर गीत, नृत्य, नाटिका और हास्य प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। महिलाओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को खूब आकर्षित किया और कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का संचालन महिमा गोयल ने आकर्षक अंदाज में किया। उनके प्रभावी संचालन ने पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा। महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। व्यक्तित्व, प्रतिभा और सहभागिता के आधार पर कई विशेष उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अलावा परिवार में बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सम्मान और सेवा भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष बेस्ट बहू उपाधि भी दी गई। क्लब की पदाधिकारी नीति सिंघल और कनिका अग्रवाल ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। क्लब के अधिकांश सदस्य परिवार सहित समारोह में शामिल हुए। इस दौरान सभी सदस्यों ने एक दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने के साथ समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। स्वतंत्रता दिवस की देशभक्ति और हरियाली तीज की सांस्कृतिक उमंग के संगम ने समारोह को यादगार बना दिया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चाइनीज मांझे से कटी कारोबारी की गर्दन, लगे आठ टांके

गोरखपुर। हार्बर्ट बंधे पर शनिवार सुबह बाइक से घर लौट रहे कारोबारी मनोज कुमार बरनवाल की गर्दन चीन के मांझे की चपेट में आने से कट गई। घायल अवस्था में वह खुद बाइक चलाकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने आठ टांके लगाए। उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई गई। परिजन उन्हें लेकर घर चले गए।

दूसरी घटना गोरखनाथ थाने के सामने की है। स्कूटी से जा रहे राजेश मणि भी चीन के मांझे की चपेट में आने के बाद भी बाल-बाल बच गए। राहगीरों ने शोर मचाया तो वह रुक गए। बाद में दो युवतियों ने उनके गले में लिपटे मांझे को हटाया।

जानकारी के मुताबिक बसंतपुर निवासी सैनिटरी व पाइप फिटिंग के थोक कारोबारी मनोज कुमार बरवाल बाइक से घर लौट रहे थे। इसी बीच चीन के मांझे की चपेट में आ गए। मांझे से उनकी गर्दन कट गई। लहूलुहान मनोज ने रुमाल लगाकर गले को बांधा और खुद बाइक चलाते जिला अस्पताल पहुंच गए। सूचना पर डॉक्टरों ने मनोज के बड़े भाई को बुलाया। इसके बाद उपचार के दौरान गर्दन में आठ टांके लगाए। मनोज के पड़ोसी अतुल कश्यप ने बताया कि शाम को उन्हें देखने घर गया था। हालत में काफी सुधार है। अभी डॉक्टर ने बोलने से मना किया है।

राजेश की गर्दन में फंस गया था मांझा– शनिवार शाम करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच गोरखनाथ थाने के सामने स्कूटी से गुजर रहे समाजसेवी राजेश मणि भी चीन के मांझे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। पीछे से आ रहे राहगीर ने शोर मचाकर लोगों को सचेत किया। इसके बाद दो युवतियों ने आगे बढ़कर मांझा हटाया। राजेश मणि ने घटना के बाद पुलिस के अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते मांझा हटाए जाने से बड़ा हादसा टल गया। प्रतिबंधित चीन का मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान शुरू कराया गया है। रविवार को पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पांच बंडल मांझा और दो चरखी बरामद की है। अभियान के दौरान दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री किसी भी हालत में न करें। साथ ही आम लोगों से भी इसके इस्तेमाल से बचने की अपील की है।

सीबीएसई ईस्ट जोन की चैंपियन बनीं काशी की बेटियां

वाराणसी। सीबीएसई ईस्ट जोन गर्ल्स चेस चैंपियनशिप में सनबीम स्कूल लहरतारा, वाराणसी की छात्राओं ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। सनबीम लहरतारा की बेटियां तीनों आयु वर्ग अंडर-11, 17 और अंडर-19 वर्ग में खिताब हासिल करने में कामयाब रहीं। विजेता टीमों की खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगी। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कुल 12 बोर्ड प्राइज हासिल किए, इसमें 9 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल हैं। यह जानकारी सनबीम शिक्षण समूह की निदेशिका अमृता बर्मन ने दी।

इन्होंने जीते पुरस्कार-अंडर-11 में राम्या, सयाली अग्रवाल, परीक्षिता दुबे, आरिका पिपलानी, अविका कनोडिया अंडर-17 में पुन्या टोड़ी, सारा सिंह, अनन्या सिंह चौहान, यशिका प्रताप सिंह

अंडर-19 में अर्चिता अग्रवाल, समृद्धि तिवारी, अन्विता जालान, शांभवी गुजराती, अनामिका गुप्ता, आरशिया खंडेलवाल

गोदाम से कर रहा था चीन के मांझे की बिक्री, पांच बंडल के साथ युवक गिरफ्तार

गोरखपुर। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में राजघाट पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पांच बंडल चीन का मांझा और दो चरखी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी दुकान पर सामान्य मांझा बेचता था लेकिन चीन के मांझे की मांग करने वाले ग्राहकों को दुकान से अलग गोदाम में ले जाकर चोरी-छिपे इसकी बिक्री करता था। एक बंडल के लिए वह करीब 2500 से 3000 रुपये तक वसूलता था। पकड़े गए आरोपी की पहचान बसंतपुर खास निवासी इनामुलहक के रूप में हुई है। पुलिस को चीन के मांझे की बिक्री करने की जानकारी मिली थी। इसके बाद निगरानी बढ़ाकर जांच की गई और आरोपी को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच बंडल चीन का मांझा और दो चरखी बरामद हुई।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं, 24 में से दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार) जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। वह सोमवार को तहसील नजीबाबाद के कवि दुष्यंत कुमार सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रही थीं।

समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान कुल 24 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से मात्र दो शिकायतों का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण कराया जा सका। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के कार्य को अधिकारी पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ लें। वर्तमान के साथ लंबित शिकायतों का भी निर्धारित अवधि में गुणवत्तापूर्ण समाधान कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि से संबंधित आख्या भी अभिलेख में संलग्न की जाए, जिससे शिकायत निस्तारण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक प्रार्थना पत्र पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक, तहसीलदार सहित तहसील स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुठभेड़ के बाद बाइक और मोबाइल लूट का आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बिजनौर (शिखर समाचार) थाना शहर कोतवाली पुलिस ने बाइक और मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी लूट की वारदात में शामिल था। पुलिस ने आरोपी की तलाश में क्षेत्र में चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। पुलिस के पीछा करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस के अनुसार आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी की पहचान रेडवा निवासी देव कुमार के रूप में हुई। आरोपी ने लूट की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि उसने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस अब उसके फरार साथियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पिता-पुत्र हत्याकांड में तीन को उम्रकैद, एक को पांच साल की सजा

शामली (शिखर समाचार) कांधला क्षेत्र के चर्चित पिता-पुत्र दोहरे हत्याकांड में करीब चार साल बाद अदालत ने फैसला सुनाते हुए तीन दोषियों को आजीवन कारावास और एक को पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने चारों दोषियों पर विभिन्न धाराओं में कुल 2 लाख 18 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। यह फैसला ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस की प्रभावी विवेचना और अभियोजन पक्ष की पैरवी के बाद आया। मामला पांच अप्रैल 2022 का है। मेरठ निवासी सुदेश देवी अपने पुत्र भूपेन्द्र और पौत्र अर्जुन के साथ रुपये के लेन-देन से जुड़े विवाद के सिलसिले में कांधला क्षेत्र के गांव मखमूलपुर पहुंची थीं। पुलिस के अनुसार विवाद के बाद आरोपियों ने भूपेन्द्र और अर्जुन को कथित रूप से बंधक बना लिया और गाड़ी में डालकर अपने साथ ले गए। बाद में दोनों की हत्या कर शव ग्राम सल्फा में फेंक दिए गए।

सुदेश देवी की तहरीर पर कांधला थाने में मुकदमा अपराध संख्या 116/2022 दर्ज किया गया था। मामले में विक्रान्त, अर्जुन, मोनू उर्फ विपिन और वीरेन्द्र समेत अन्य के खिलाफ हत्या, साजिश, अपहरण और बंधक बनाने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने आठ और नौ अप्रैल 2022 को नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया। विवेचना के बाद 29 जून 2022 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया।

17 अगस्त 2026 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट की अदालत ने विक्रान्त, अर्जुन और मोनू उर्फ विपिन को धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई। तीनों को धारा 364, 201 और 342 के तहत भी अलग-अलग सजाएं दी गईं। अर्जुन और विक्रान्त को आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा भी सुनाई गई। चौथे अभियुक्त वीरेन्द्र को धारा 364/109 के तहत पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 15 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। पुलिस के अनुसार चारों पर विभिन्न धाराओं में कुल 2.18 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। शामली पुलिस ने इसे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी और गुणवत्तापूर्ण विवेचना का परिणाम बताया है।

कैराना में ऑपरेशन सवेरा का बड़ा असर, 1.55 करोड़ की स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार) नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत थाना कैराना पुलिस ने एक ही दिन में दो कार्रवाई कर तीन कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 776 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 55 लाख रुपये बताई गई है। एक कार्रवाई के दौरान तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार भी बरामद कर सीज की गई है।

पुलिस के अनुसार पहली कार्रवाई में ग्राम गोगवान निवासी अहसान उर्फ छोटू और ग्राम गढ़ी बेसक, थाना सनौली, पानीपत हरियाणा निवासी मेहरबान को गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से 520 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 4 लाख रुपये बताई गई है। दोनों के खिलाफ कैराना थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

दूसरी कार्रवाई में ग्राम मंडावर निवासी मुनफैद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 256 ग्राम स्मैक बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपये बताई गई है। उसके खिलाफ भी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्मैक कहां से लाई जा रही थी और इसके कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आगे और पीछे के संपर्कों की जानकारी जुटाकर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व और क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस ने नागरिकों से नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने तथा मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

भाकियू की मासिक बैठक में भ्रष्टाचार पर जताई चिंता, किसानों की समस्याओं पर आंदोलन की चेतावनी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक सोमवार को तहसील परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महेश राजपूत ने की और संचालन राजीव चौहान ने किया। बैठक में सरकारी कार्यालयों में कथित रूप से बढ़ते भ्रष्टाचार और अधिकारियों को पूर्व में दिए गए मांग पत्रों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रोष जताया। किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए कई कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा घरेलू विद्युत कनेक्शनों पर उपभोक्ताओं को जानकारी दिए बिना ही स्वीकृत भार बढ़ाया जा रहा है, जिससे किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। इसके अलावा जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई। किसानों ने क्षेत्र में पेड़ों के कथित अवैध कटान पर भी चिंता जताते हुए वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। भारतीय किसान यूनियन ने प्रशासन से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने और संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसान संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। मोहम्मद सलमान को तहसील सचिव, यशपाल सिंह को तहसील संगठन मंत्री, विकास चौहान को सचिव और जितेंद्र कुमार को ग्राम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की नीतियों के अनुरूप किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का भरोसा दिलाया। बैठक में तहसील अध्यक्ष सोनू विरक, राजीव चौहान, योगेंद्र सिंह, नौशाद, हरपाल सिंह, रणजीत सिंह, बंटी चौधरी, दयाराम, चंद्रपाल सिंह और महबूब प्रधान सहित यूनियन के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल के बच्चों को किताबें मिलीं या नहीं, मोबाइल एप रखेगा नजर

आगरा। स्कूलों में किताबें पहुंचीं या नहीं, अब इसका हिसाब कागजों में नहीं छिप सकेगा। बेसिक शिक्षा विभाग में पाठ्य-पुस्तकों और कार्य पुस्तिकाओं के वितरण की शत-प्रतिशत डीसीएफ फीडिंग प्रेरणा पोर्टल पर करनी होगी। केवल किताबें बांट देना ही पर्याप्त नहीं है। उनका रिकॉर्ड भी पोर्टल पर दर्ज करना होगा। फीडिंग पूरी नहीं होने पर संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा।

बीएसए डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में हुई जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह फैसला लिया गया था। निर्देश दिए गए कि जिन विद्यालयों में बच्चों को किताबें और कार्य पुस्तिकाएं वितरित की जा चुकी हैं, उनका विवरण प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज किया जाए।

मंडोली की इकाई पर बीआईएस की छापेमारी, 2350 एल्युमिनियम फॉयल रोल जब्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार) भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के गाजियाबाद शाखा कार्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के उल्लंघन की सूचना पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मंडोली क्षेत्र स्थित एक इकाई पर प्रवर्तन कार्रवाई की। तलाशी एवं जब्ती के दौरान परिसर से करीब 2350 एल्युमिनियम फॉयल पेपर रोल बरामद किए गए, जिन्हें आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए जब्त कर लिया गया।

बीआईएस के अनुसार कार्रवाई अधिनियम की धारा 28 के तहत की गई। प्रवर्तन टीम का नेतृत्व वैज्ञानिक-सी एवं उप निदेशक शैलेंद्र कुमार वर्मा तथा वैज्ञानिक-बी एवं सहायक निदेशक राज कुमार ने किया। टीम में गाजियाबाद शाखा कार्यालय के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल रहे।

तलाशी के दौरान अधिकारियों ने एल्युमिनियम फॉयल पेपर रोल के साथ उनके निर्माण, भंडारण और बीआईएस मानकों के अनुपालन से संबंधित दस्तावेज एवं अभिलेखों की भी जांच की। जब्त सामग्री को सुरक्षित कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बीआईएस के मुताबिक एल्युमिनियम फॉयल से संबंधित उत्पाद के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वर्ष 2020 में अधिसूचित किया जा चुका है। इसके तहत संबंधित उत्पाद का निर्माण निर्धारित भारतीय मानक के अनुरूप और वैध बीआईएस लाइसेंस के तहत आईएसआई चिह्न के साथ किया जाना अनिवार्य है। बिना वैध बीआईएस लाइसेंस और आईएसआई चिह्न के ऐसे अनिवार्य प्रमाणन वाले उत्पाद का निर्माण नहीं किया जा सकता।

गाजियाबाद शाखा कार्यालय की वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख जी. भवानी ने बताया कि उपलब्ध तथ्यों और जब्त सामग्री के आधार पर संबंधित फर्म के खिलाफ बीआईएस अधिनियम तथा लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के प्रावधानों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीआईएस ने उपभोक्ताओं और उद्योगों से अपील की है कि अनिवार्य प्रमाणन वाले उत्पाद खरीदते समय बीआईएसआई लाइसेंस की वैधता और आईएसआई चिह्न की प्रामाणिकता की जांच करें। मानकों अथवा आईएसआई चिह्न के दुरुपयोग की शिकायत बीआईएस के माध्यम से की जा सकती है और शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

राजेंद्र नगर में खेलकूद प्रतियोगिताओं में बच्चों की दौड़ ने मनमोहा

गोरखपुर। राजेंद्र नगर स्थित बीआरडी स्पोर्ट्स में जीएसएफएफ कमेटी की ओर से विभिन्न आयु वर्गों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों की दौड़ ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत झूलेलाल की आरती से हुई। मुख्य अतिथि लक्ष्मी सत्संग भवन की माया ने विधिवत आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं का मैच, बुजुर्गों का मैच, महिलाओं की बैडमिंटन प्रतियोगिता और बच्चों की दौड़ सहित विभिन्न खेल आयोजित किए गए। सभी वर्गों के प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। बच्चों की दौड़ ने दर्शकों का विशेष रूप से ध्यान खींचा। महिलाओं और बुजुर्गों की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बना। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही समाज में आपसी भाईचारा और एकता मजबूत करते हैं। साथ ही बच्चों और नई पीढ़ी में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

तारामंडल में दो ट्रांसफॉर्मरों से तेल चोरी, 200 घरों की बिजली ठप

गोरखपुर। विद्युत उपकेंद्र तारामंडल के जीडीए के पास लगे 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से शनिवार देर रात करीब 12 बजे चोरों ने तेल चोरी कर लिया। तेल निकलने से ट्रांसफॉर्मर गर्म होकर रात करीब एक बजे बंद हो गया। वहीं लोहिया एन्क्लेव के बुद्ध विहार फेज-वन में लगे 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से भी शनिवार देर रात तेल चोरी हो गया। इस कारण लगभग 200 घरों की बिजली गुल हो गई। तारामंडल उपकेंद्र के अवर अभियंता विजय सिंह ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी होने के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी जाएगी। वहीं रेती चौक के पास ट्रांसफॉर्मर गर्म होने से धुआं उठने पर करीब एक घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। दोनों घटनाओं से करीब दो सौ घरों की आपूर्ति प्रभावित हुई। दोपहर करीब 12 बजे तेल डालकर ट्रांसफॉर्मरों को चालू किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर भी बिजली संकट से नहीं मिली राहत–स्वतंत्रता दिवस पर भी शहर के कई इलाकों में बिजली संकट से लोगों को राहत नहीं मिली। राजेंद्र नगर पूर्वी के करीब डेढ़ सौ घरों की बिजली भोर में तीन बजे गुल हुई और रविवार सुबह 10:30 बजे बहाल हो सकी।

करीब साढ़े सात घंटे बिजली गुल रहने से इनवर्टर बंद हो गए। सुबह पानी का संकट भी खड़ा हो गया। विद्युत उपकेंद्र इंडस्ट्रियल एस्टेट के सहायक अभियंता के अनुसार 400 केवीए के ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी आने से आपूर्ति बाधित हुई थी। तुर्कमानपुर में नूरी मस्जिद के पास शनिवार रात करीब 11 बजे से रविवार दोपहर एक बजे तक करीब दो सौ घरों की बिजली बाधित रही। शाहपुर, पादरी बाजार, जंगल धूसड़ और सुहासिनी नगर में भी बिजली की आवाजाही, कम वोल्टेज और उतार-चढ़ाव से लोग परेशान रहे।

यीडा क्षेत्र में मेडिकल हब से लेकर ताइवान सिटी तक, 92वीं बोर्ड बैठक में कई बड़े फैसले

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 92वीं बोर्ड बैठक सोमवार को आयोजित हुई, जिसमें क्षेत्र के औद्योगिक, चिकित्सा, शिक्षा, परिवहन और आधारभूत ढांचे के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति की भी समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 31 जुलाई 2026 तक प्राधिकरण की कुल प्राप्तियां 1853.74 करोड़ रुपये रहीं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 974.37 करोड़ रुपये की प्राप्तियों से 90.25 प्रतिशत अधिक हैं। औद्योगिक और मिश्रित भूमि योजना से 1195.99 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई, जो पूरे वर्ष के

बजट प्रावधान का 86.17 प्रतिशत है। बोर्ड ने सेक्टर-13 और 14 में 500 एकड़ भूमि पर चिकित्सा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। सेक्टर-14 में 480 एकड़ में विश्वविद्यालय नगरी, सेक्टर-34 में करीब 36 एकड़ में मंडी और सेक्टर-23डी में लगभग 50 एकड़ भूमि पर आधुनिक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के लिए भूमि चिन्हित की

गई है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप सेक्टर-23सी में अंतरराज्यीय बस अड्डे के लिए भी भूमि चिन्हित की गई है। सेक्टर-6 में ताइवान आधारित उद्योगों के लिए 300 एकड़ में ताइवान सिटी विकसित करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। इसी सेक्टर में करीब 100 से 125 एकड़ भूमि पर औषधि निर्माण समूह विकसित करने का निर्णय हुआ है। इसके अलावा चिकित्सा उपकरण पार्क में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण सुविधा स्थापित करने तथा तकनीकी विशेषज्ञ समिति गठित करने को मंजूरी दी गई। आगरा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे की चैनज 161.21 पर करबन नदी के ऊपर पुलिया निर्माण को भी स्वीकृति मिली है। इससे वर्षा के दौरान जलभराव के कारण बाधित होने वाला आवागमन सुचारू होगा। वहीं गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर में किसानों से सहमति के आधार पर भूमि खरीद दर 4300 रुपये से बढ़ाकर 4558 रुपये प्रति वर्ग मीटर अथवा 4037 रुपये प्रति वर्ग मीटर के साथ सात प्रतिशत आबादी भूखंड देने का निर्णय लिया गया।

तीज उत्सव में सिमरन गोयल बनीं तीज क्वीन, महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

हापुड़ (शिखर समाचार) अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की जिला हापुड़ इकाई की ओर से होटल टुनाइट में भव्य तीज उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की आरती और गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद महिलाओं ने विभिन्न मनोरंजक खेलों, नृत्य, मल्हार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। तीज उत्सव का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता में सिमरन गोयल ने प्रथम और नैना गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला अध्यक्ष रति अग्रवाल, महामंत्री पारुल जिंदल और कोषाध्यक्ष

वसु कंसल ने विजेताओं को ताज पहनाकर तथा उपहार देकर सम्मानित किया। संरक्षिका रेनू अग्रवाल ने सुप्रभा को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अगस्त माह में जन्मदिन वाले सभी सदस्यों का सामूहिक रूप से केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। वहीं नन्हे रिशिव ने कविता प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। उसकी प्रस्तुति पर उपस्थित लोगों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन महिमा गोयल, आइरिश अग्रवाल और राशिका अग्रवाल ने किया। तीनों ने प्रभावशाली अंदाज में मंच संचालन करते हुए पूरे आयोजन में उत्साह बनाए रखा। संस्था की कार्यकारिणी सदस्य आंचल, शिल्पी, दीपाली, कोपल अग्रवाल, नैना, निशि, युक्ति, प्रियंका और सुप्रभा ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। तीज उत्सव में महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया गया। पूरे कार्यक्रम में उमंग, उल्लास और पारिवारिक अपनत्व का माहौल रहा। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और तीज पर्व की परंपराओं को जीवंत रखने के साथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस, 121 शिकायतें दर्ज, 14 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जनपद की तीनों तहसीलों में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने जनसामान्य की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। तीनों तहसीलों में कुल 121 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 14 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया।

तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां छह शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल, अपर मुख्य

चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिरोहा, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नेहा सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील दादरी में उप जिलाधिकारी अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 55 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं तहसील जेवर में उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 60 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

अधिकारियों ने शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए गए।

आईटीएस मोहन नगर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ-2026 और फ्यूजन-2026 का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईटीएस मोहन नगर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत और उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक भविष्य की मजबूत नींव रखने के उद्देश्य से प्रारंभ-2026 और फ्यूजन-2026 अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, उद्योग जगत की आवश्यकताओं और रोजगार के उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी जाएगी। स्नातक परिसर में बीबीए के 31वें और बीसीए के 30वें बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ-2026 अभिमुखीकरण कार्यक्रम 19 अगस्त को सुबह 10:30 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिष्ठित अतिथियों की मौजूदगी में उद्घाटन समारोह के साथ किया जाएगा। इसमें आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह, योट्टा डेटा साइंसेज के अध्यक्ष एवं समूह मुख्य कार्यकारी

अधिकारी राजेश गर्ग तथा अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक वक्तृत्व प्रशिक्षक ऑथर शेरी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। वहीं एमबीए और एमसीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए फ्यूजन-2026 अभिमुखीकरण कार्यक्रम 17 से 22 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन सत्र 18 अगस्त को होगा। इसमें आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद एवं कार्यकारी समिति के सदस्य रियर एडमिरल डॉ. एस. कुलश्रेष्ठ, एनआईआईटी विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल के सदस्य अरविंद ठाकुर तथा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक प्रो. आशुतोष सिंह विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के नए वातावरण से सहज रूप से जोड़ना और उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, प्रबंधन क्षमता तथा करियर निर्माण के लिए प्रेरित करना है। विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, उद्योग अकादमिक जुड़ाव और विभिन्न अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक शिक्षा के साथ बदलते औद्योगिक एवं सामाजिक परिवेश के अनुरूप तैयार करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

डिवाइडरों पर लगेगी लोहे की रेलिंग, हादसों पर लगेगा ब्रेक

शामली (शिखर समाचार) शहर के प्रमुख मार्गों पर डिवाइडरों से कूदकर सड़क पार करने और वाहनों को डिवाइडर के बीच से निकालने की कोशिश के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नगर पालिका ने पहल शुरू की है। नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल ने सोमवार को विजय चौक पर डिवाइडरों की बैरिकेडिंग के लिए लोहे की रेलिंग लगाने के कार्य का फीता काटकर और नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। चेयरमैन ने बताया कि शहर के कई प्रमुख मार्गों पर लोग डिवाइडर से कूदकर दूसरी ओर जाने का प्रयास करते हैं। वहीं कुछ वाहन चालक भी निर्धारित स्थान के बजाय डिवाइडर के बीच से वाहन निकालने की

कोशिश करते हैं। इससे कई बार सड़क हादसे की स्थिति पैदा हो जाती है। डिवाइडरों पर लोहे की मजबूत रेलिंग लगाए जाने से इस तरह की आवाजाही पर रोक लगेगी और यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि रेलिंग लगाने का कार्य फिलहाल करीब 10 लाख रुपये की लागत से शुरू कराया गया है। विजय चौक से इसकी शुरूआत की गई है। आवश्यकता के अनुसार शहर के अन्य प्रमुख मार्गों और स्थानों पर भी डिवाइडरों पर रेलिंग लगाने का कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। चेयरमैन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना ही नहीं, बल्कि शहर के प्रमुख मार्गों का सौंदर्यीकरण करना भी है। व्यवस्थित ढंग से लगाई जाने वाली लोहे की रेलिंग से डिवाइडरों का स्वरूप बेहतर होगा और यातायात व्यवस्था भी अधिक व्यवस्थित नजर आएगी। कार्य के शुभारंभ के अवसर पर वैभव गर्ग, सुरेश कुमार, सत्येन्द्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राशन विक्रेताओं को योगी सरकार की बड़ी सौगात, कमीशन 90 से बढ़कर 125 रुपये प्रति क्विंटल

शामली (शिखर समाचार) प्रदेश सरकार ने उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में बढ़ोतरी करते हुए उनका कमीशन 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इस निर्णय से शामली जिले के 421 राशन विक्रेताओं को सीधा लाभ मिलेगा। सोमवार को जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर राशन विक्रेताओं और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश स्तर पर नई व्यवस्था का शुभारंभ करते हुए एकल चरण घर-घर वितरण के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता प्रतिक्रिया प्रणाली की भी शुरूआत की। शामली विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल, विधायक प्रसन्न चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल,

जिलाधिकारी आलोक यादव, उप जिलाधिकारी सचिन राजपूत, जिला पूर्ति अधिकारी अंकुर यादव सहित पूर्ति विभाग के अधिकारी और उचित दर विक्रेता मौजूद रहे। थानाभवन विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम विकासखंड परिसर स्थित सभागार में हुआ। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल, उप जिलाधिकारी ऊन दीपिका मेहर और पूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ राशन विक्रेता शामिल हुए। कैराना विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कांधला में आयोजित किया गया। इसमें विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख कांधला विनोद मलिक, उप जिलाधिकारी कैराना शिवाजी यादव सहित अधिकारी और राशन विक्रेता उपस्थित रहे। मोहित बेनीवाल ने कहा कि उचित दर विक्रेता सार्वजनिक वितरण प्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके माध्यम से सरकार की खाद्यान्न वितरण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचता है। कमीशन बढ़ने से विक्रेताओं के आर्थिक हित मजबूत होंगे और उनका मनोबल बढ़ेगा। नई डिजिटल प्रतिक्रिया प्रणाली से राशन वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने के साथ विक्रेताओं की समस्याओं व सुझावों को दर्ज करने में भी मदद मिलेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में 119 शिकायतें पहुंचीं, मौके पर 11 का निस्तारण

गाजियाबाद (शिखर समाचार) जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में सोमवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। तीनों तहसीलों में कुल 119 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार सहित राजस्व, पुलिस, नगर पालिका और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी

मौजूद रहे।

लोनी तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में समाधान दिवस हुआ। यहां 35 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण कराया गया। इस दौरान तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मोदीनगर तहसील में उप जिलाधिकारी कोमल पंवार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां सर्वाधिक 61 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सहित राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रशासन की ओर से शेष शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

अभिषेक गिरी ने GATE-2026 में हासिल की AIR-620 रैंक, GAIL में हुआ चयन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ।एक्यूरेट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र अभिषेक गिरी ने GATE-2026 में प्रथम प्रयास में ऑल इंडिया 620वीं रैंक हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया। इसके बाद उनका चयन भारत की नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (GAIL) में अच्छे पैकेज पर हुआ है। बनारस निवासी अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के शिक्षकों

और प्रबंधन को देते हुए कहा कि प्रथम वर्ष से ही फैकल्टी ने सॉफ्ट स्किल, एप्टीट्यूड और कंप्यूटर फंडामेंटल्स पर विशेष ध्यान दिया। नियमित रूप से GATE के प्रश्नपत्र हल कराने और प्रभावी टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया से उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिली।अभिषेक के पिता अनिल कुमार गिरी ने कॉलेज के शिक्षकों एवं प्रबंधन का आभार जताया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. सुनील मिश्रा ने कहा कि ट्रेनिंग, रिसर्च एंड इनक्यूबेशन सेल और फैकल्टी की मेहनत का यह परिणाम है। चेयरपर्सन पूनम शर्मा ने अभिषेक और उनके माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में GATE की विशेष कक्षाएं आयोजित कर अधिक विद्यार्थियों को सफलता के लिए तैयार किया जाएगा।

आगाज-2026 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत, अनुशासन और नवाचार का दिया संदेश

मोदीनगर (शिखर समाचार) डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर में सोमवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था से परिचित कराने के उद्देश्य से आगाज-2026 अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। मुख्य अतिथि आयुध निमार्णी, मुरादनगर के कार्यकारी निदेशक कमलेश कुमार ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक जीवन की शुरूआत पर शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन, समर्पण, नवाचार और जिम्मेदारी की भावना के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि हासिल करना नहीं, बल्कि अर्जित ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज तथा राष्ट्र के विकास में करना भी है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. डॉ. डी. के. मोदी ने विद्यार्थियों को

शुभकामनाएं दीं, जबकि कुलपति प्रो. डॉ. पी. एन. ऋषिकेशा ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं व्यावसायिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष राजीव सक्सेना, न्यासी डॉ. संजय गुप्ता, कुलसचिव यू. एन. मिश्रा सहित अधिष्ठाता, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना, नियम विनियम, शिक्षण प्रक्रिया, प्रवेश व्यवस्था, सह पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियों, विद्यार्थी सहायता सेवाओं और अनुशासन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को शोध, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, नवाचार और उद्यमिता में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि विश्वविद्यालयी शिक्षा ज्ञान के साथ कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी विकास करती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नेतृत्व, शिक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने नए शैक्षणिक सफर की शुरूआत पर उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायी वातावरण में हुआ और विश्वविद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गाजियाबाद निगम ने 1800 सफाई मित्रों और 2000 आउटसोर्स चालकों का बढ़ाया वेतन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद नगर निगम ने आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए करीब 1800 सफाई मित्रों और लगभग 2000 आउटसोर्स चालकों के वेतन में बढ़ोतरी की है। सफाई मित्रों का मासिक वेतन करीब 11,700 रुपये से बढ़कर 14,600 रुपये, जबकि आउटसोर्स चालकों का वेतन 13,600 रुपये से बढ़कर 16,900 रुपये हो गया है। इसके अलावा भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा की सुविधा भी निर्धारित नियमों के अनुसार अतिरिक्त रूप से जारी रहेगी। वेतन बढ़ोतरी से बड़ी संख्या में कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

सफाई मित्रों के वेतन में बढ़ोतरी पर कर्मचारियों ने नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश का धन्यवाद किया। इस दौरान नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों का सम्मान करते हुए उन्हें पुष्पमाला पहनाई और

उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों का वेतन बढ़ाना उनका हक है और निगम उनके हितों को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि बेहतर और मेहनत से कार्य करने वाले सफाई मित्रों को अलग से पुरस्कृत भी किया जाएगा।

नगर आयुक्त ने कहा कि गाजियाबाद की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने में सफाई मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। निगम के 100 वार्डों में महिला और पुरुष सफाई मित्र प्रतिदिन मुख्य मार्गों के साथ आंतरिक गलियों में भी सफाई कार्य कर रहे हैं। पार्षदों की उपस्थिति और उनके निर्देशों के अनुरूप सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

वेतन बढ़ोतरी के बाद स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ के महानगर अध्यक्ष शक्ति जीन वाल और उनकी टीम ने नगर आयुक्त सहित निगम अधिकारियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज के नेता प्रदीप चौहान भी मौजूद रहे। वहीं आउटसोर्स चालकों के वेतन में करीब 3300 रुपये प्रतिमाह की बढ़ोतरी होने से उन्हें भी राहत मिलेगी। निगम के इस निर्णय से सफाई व्यवस्था और परिवहन व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों में उत्साह है।

संपादकीय

भाजपा की नई टीम में अनुभव, वापसी और भविष्य की सियासी तैयारी

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार 17 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान कर संगठन की दिशा और प्राथमिकताओं का संकेत दे दिया है। करीब सात महीने पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद नितिन नवीन की ओर से घोषित यह टीम केवल पदों का पुनर्वितरण नहीं है, बल्कि इसे आने वाले राजनीतिक दौर के लिए भाजपा की संगठनात्मक तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए। नई टीम में जहां वसुंधरा राजे, राम माधव और स्मृति ईरानी जैसे अनुभवी चेहरों की वापसी हुई है, वहीं युवाओं, महिलाओं और विभिन्न राज्यों के नेताओं को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है। पार्टी ने 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आठ राष्ट्रीय महामंत्री और 16 राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई टीम को अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का संतुलन बताते हुए बधाई दी है।

सबसे अधिक चर्चा राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा के पुराने रणनीतिकार राम माधव की नियुक्तियों को लेकर है। वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना यह बताता है कि भाजपा अपने वरिष्ठ और प्रभावशाली क्षेत्रीय नेताओं के अनुभव को संगठन की राष्ट्रीय रणनीति में इस्तेमाल करना चाहती है। इसी तरह राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी भी महत्वपूर्ण है। संगठन और राजनीतिक रणनीति दोनों में लंबे अनुभव वाले माधव की भूमिका विशेष रूप से उन राज्यों में उपयोगी हो सकती है जहां भाजपा को राजनीतिक विस्तार के साथ वैचारिक और संगठनात्मक संवाद मजबूत करना है। स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी देकर पार्टी ने एक ऐसे चेहरे को फिर केंद्रीय संगठन में सक्रिय किया है जिसकी राजनीतिक पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत है।

नई टीम का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि भाजपा के सामने अगले चरण में कई राज्यों के विधानसभा चुनावों की चुनौती है। उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों में चुनावी गतिविधियां आने वाले महीनों में तेज होनी हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारियों का निर्धारण केवल आंतरिक प्रशासन का विषय नहीं रहता, बल्कि चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए विशेष महत्व रखता है और यहां संगठन की मजबूती सीधे राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव डाल सकती है। स्मृति ईरानी को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने को इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है।

नई टीम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, ओडिशा के बैजयंत जय पांडा, पंजाब से सरदार मनप्रीत सिंह बादल और अन्य नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा ने संगठन में क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास किया है। दक्षिण भारत से लेकर पूर्वोत्तर और उत्तर भारत तक अलग अलग क्षेत्रों के नेताओं को जिम्मेदारियां देकर पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि राष्ट्रीय संगठन किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। भाजपा के लिए यह रणनीति इसलिए भी जरूरी है क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर लगातार मजबूत बने रहने के लिए उसे उन क्षेत्रों में भी अपनी राजनीतिक जमीन बढ़ानी होगी जहां उसका प्रभाव अभी सीमित है।

इस पुनर्गठन की एक और अहम बात यह है कि भाजपा ने संगठन में महिलाओं की मौजूदगी को भी बढ़ाया है। नई टीम में 12 महिला पदाधिकारी होने की जानकारी सामने आई है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के बीच यह फैसला केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि महिला मतदाताओं तक संगठन की सीधी पहुंच बनाने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। भाजपा पिछले वर्षों में महिला लाभार्थियों और महिला मतदाताओं को अपने राजनीतिक आधार का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने में सफल रही है। ऐसे में संगठन में महिला नेतृत्व को अधिक स्थान देना राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से उपयोगी कदम है। संगठन महामंत्री के रूप में बीएल संतोष की निरंतरता भी ध्यान देने योग्य है। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसका अर्थ यह है कि भाजपा ने एक ओर संगठनात्मक निरंतरता बनाए रखी है तो दूसरी ओर महत्वपूर्ण आर्थिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में बदलाव किया है।

~ मौलिक चिंतन ~

संत वह होता है, जो सत्य को सत्ता के ऊपर रखता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका - ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्त्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन CVN-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्त्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे । फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्त्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेजी में KILL TRUMP लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में KILL TRUMP लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्त्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- There will be blood यानी खून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! और वहां से गुजरती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी। खामेनेई के अंतिम संस्कार के जुलूस में भी भीड़ ने सामूहिक रूप से कसम खाते हुए नारे लगाए कि हम अपने सर्वोच्च नेता के खून की कसम खाते हैं, ट्रंप हम तुम्हें मार डालेंगे! मुख्य मंच से कवियों और उद्घोषकों ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाते हुए भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे कमीना आदमी (डोनाल्ड ट्रंप) अभी तक जिंदा क्यों है? जिसने हमारे इमाम को मारा, हम उसे क्यों न मारें? इसके बाद पूरी भीड़ ने डेथ टू डोनाल्ड के नारे लगाए। यहाँ तक कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने भी लिखित बयान जारी कर कहा कि ईरान ने इन अपराधी हत्यारों की एक हिट-लिस्ट तैयार की है और उनसे बदला लेना अब ईरान का राष्ट्रीय संकल्प है। इसतरह के हालात ट्रंप व उनके सुरक्षा सलाहकारों में ईरान के प्रति भयभीत होने के लिए पर्याप्त हैं। यानी कहना गलत नहीं होगा कि अपने ही गलत फैसलों के चलते ट्रंप ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं।

जब आस्था की भीड़ में कुचल जाता है इंसान

कुमार कृष्णन

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए।

लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरूआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ महिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी।

हादसे की वजह को लेकर भी शुरूआती सूचनाओं में अंतर रहा। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार ढका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी। लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है।

सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है?

सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया।

भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजार लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई जिंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है।

अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युम्न ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्ट हुआ और उसके अवशेष धरती के नीचे दब गए।

अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। उसी बालक के नाम पर यह स्थान अशोक धाम कहलाने लगा।

मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य आगे बढ़ा और 11 फरवरी 1993 को जगन्नाथपुरी के शंकराचार्य ने नए मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। बाद के वर्षों में श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर परिसर का विकास हुआ। आज सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक भीड़ प्रबंधन की बड़ी चुनौती के सामने है।

धार्मिक स्थलों की भीड़ का अपना अनुभव है। अजमेर शरीफ दरगाह में एक बार मुझे वीआईपी प्रवेश की सुविधा मिली। एक खादिम ने व्यवस्था कर दी थी और एक युवक चादर चढ़ाने में सहायता के लिए साथ था। फिर भी मुख्य द्वार तक पहुंचने में जिस भीड़ से गुजरना पड़ा, उसने समझा दिया कि वीआईपी प्रवेश भी भीड़ के भय को समाप्त नहीं करता।

अंदर मजार पर चादर चढ़ाने की जगह छोटी और बंद थी। लगभग दो मिनट का वह समय बेहद परेशान करने वाला था। मेरी पोती भीड़ देखकर डर गई और रोने लगी। तब समझ आया कि धार्मिक आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत करती है, लेकिन भीड़ का दबाव उम्र, शरीर और आस्था नहीं देखता।

इसीलिए मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि बड़े धार्मिक आयोजनों में बच्चों, बीमारों और बहुत बुजुर्ग लोगों को अत्यधिक भीड़ से बचना चाहिए। युवा और शारीरिक रूप से सक्षम लोग जाएं, लेकिन भीड़ की प्रकृति और निकासी के रास्तों का ध्यान रखें। यह आस्था पर टिप्पणी नहीं, भीड़ के व्यवहार की व्यावहारिक समझ है। खाटू श्याम से लेकर वैष्णो देवी, अजमेर, काशी, उज्जैन, जगन्नाथ पुरी और कुंभ-महाकुंभ तक, जहां आस्था का समुद्र उमड़ता है, वहां सुरक्षा भी उसी अनुपात में मजबूत होनी चाहिए।

भारत का इतिहास ऐसी त्रासदियों से भरा पड़ा है। 1954 के प्रयाग कुंभ की भगदड़ देश की सबसे भयावह धार्मिक भीड़ त्रासदियों में गिनी जाती है। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हुई। 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में दो सौ से अधिक लोग मारे गए। 2010 में प्रतापगढ़ के मनगढ़ आश्रम में 63 लोगों की मौत हुई। 2011 में सबरीमाला के पास पुलमेडु में सौ से अधिक श्रद्धालुओं की जान गई। 2015 में राजमुंदरी के गोदावरी पुष्करम में 27 लोगों की मौत हुई और उसी वर्ष देवघर के बैद्यनाथ धाम में भगदड़ में 11 श्रद्धालु मारे गए।

ये केवल आंकड़े नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार है। किसी की मां, पत्नी, बेटी या पिता है। सवाल इसलिए यह नहीं होना चाहिए कि हादसा हुआ तो किसे दोष दें। सवाल यह होना चाहिए कि हादसा होने की स्थिति पैदा ही क्यों हुई?

अशोक धाम की घटना में अफवाह की भूमिका महत्वपूर्ण है। खंभा गिरा, लोगों ने करंट की आशंका समझी, डर फैला, लोग भागे, बैरिकेडिंग टूटी और लोग गिरते चले गए। इसलिए बड़े धार्मिक आयोजनों में केवल भजन और सामान्य घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अफवाह के मुकाबले सूचना की गति अधिक होनी चाहिए। किसी खंभे के गिरने पर तुरंत बताया जाए कि बिजली बंद है या चालू, लोगों को भागने के बजाय शांत रहने की सलाह दी जाए और वैकल्पिक रास्ते बताए जाएं। घबराई भीड़ को डंडे से नहीं, स्पष्ट सूचना और भरोसे से नियंत्रित किया जा सकता है।

धार्मिक आयोजनों की जिम्मेदारी केवल मंदिर प्रशासन की नहीं हो सकती। मंदिर प्रबंधन, जिला प्रशासन, पुलिस, रेलवे, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों को एक साझा सुरक्षा योजना बनानी होगी। अशोक धाम में दो ट्रेनों के एक साथ आने से भीड़ बढ़ी तो रेलवे स्टेशन से मंदिर तक का रास्ता भी सुरक्षा योजना का हिस्सा होना चाहिए था।

धार्मिक स्थल का सुरक्षा नक्शा केवल प्रवेश द्वार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसमें निकास द्वार, आपातकालीन मार्ग, चिकित्सा केंद्र, एंबुलेंस की पहुंच, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा और खुले सुरक्षित क्षेत्र शामिल होने चाहिए।

भारत में पाकिस्तानियों को मिल गई नागरिकता?

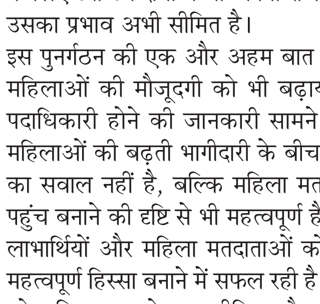

डॉ. रमेश ठाकुर

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है।

किसी पाकिस्तानी को आज के दौर में हिंदुस्तान में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देनी वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे? बसाना तो दूर, ऐसा सोचना मात्र भी, सूरज का पूरब की जगह पश्चिम से निकलने जैसा माना जाएगा। पर, यह कोरी कल्पना पिछले दिनों हकीकत में तब्दील हुई। भारत में 56 साल पहले आए पाकिस्तानियों को नागरिकता दी गई है। वह भी एकाध लोगों को नहीं, बल्कि हजारों को। सरकार ने पिछले महीने बकायदा एक रंगारंग कार्यक्रम कर, ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाण पत्र बांटे। ताज्जुब यह भी है कि ऐसा चमत्कार हुकूमत ने ऐसे माहौल में किया, जब समूचे भारत में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालकर उन्हें खदेड़ने का अभियान केंद्रीय व राज्य स्तरों पर छिड़ा हो। इस अभियान की बानगी हमने हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधाानसभा चुनाव के दौरान भी देखा। जब दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल, का चुनाव इसी मसले के इर्दगिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानियों को नागरिकता देने का बड़ा जाखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने बहुतेरे हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगी।

सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है जिसकी पहचान बांसुरी निमार्ण के अलावा तराई क्षेत्र के लिए भी प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत हिंदुस्तान

के एक अलहदे छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है।

पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी विरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे के झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया। पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पूरा नही कर पाए।

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गर्माई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप मौजूदा सरकार पर लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों को बसाने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिंहित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी मुकम्मल नागरिकता देने का फैसला हो चुका है। सरकारी आंकड़ों की माने तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इनमें प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के रूप में मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि बढ़ी आबादी से सरकारों को वोटिंग का लालच देकर किसी भी दल पर दबाव बना सकेंगे। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही। अपने योजनाओं में यह लोग आज सफल हुए हैं।

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो

चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 281, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भी बाजार गिरा। आज प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों पर भारी दबाव देखा गया, जिसमें टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों को एक बार फिर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। इस गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में कमी आई और बाजार में निराशा का माहौल बना रहा।सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने पूरे दिन कमजोर प्रदर्शन किया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंकों की गिरावट के साथ 77,728.16 अंकों पर बंद हुआ। वही 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी तकरीबन 78.35 अंकों के नुकसान के साथ ही

24,287.65 अंकों पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो आज दिन भर गिरावट हावी रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 7 कंपनियों के शेयर ही आज लाभ के साथ ऊपर आये

जबकि बचे हुए 23 कंपनियों के शेयर गिरे है। इसी प्रकार निफ्टी में भी 50 में से केवल 18 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई, जबकि 31 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए और श्रीराम फाइनेंस का शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहा। यह आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि गिरावट का असर पूरे बाजार पर व्यापक रूप से पड़ा।टाटा ग्रुप की मेटल कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में आज तेजी रही। निवेशकों की नजर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस पर थी, जिसके शेयरों में आ भारी गिरावट रही। सेंसेक्स के अन्य प्रमुख शेयरों में, एक्सिस बैंक), रिलायंस इंडस्ट्रीज , बीईएल , एचडीएफसी बैंक , एलएंडटी और बजाज फाइनेंस ने कुछ हद तक सकारात्मक कारोबार किया।

सोना-चांदी में तेजी, कमजोर डॉलर और फेड दर संभावना ने दी चमक

सोने का भाव 1,649 बढ़कर 1,56,155 रुपए, चांदी 2,37,750 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना कमजोर पड़ने से सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। शुरुआती कारोबार में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के भाव तेजी से बढ़े, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,450 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.75 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। सोने में 14.40 डॉलर और चांदी में 0.65 डॉलर की प्रभावी तेजी दर्ज की गई। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुझान देखा गया। खबर लिखे जाने तक सोने के वायदा भाव 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब और चांदी के वायदा भाव 2,37,750 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,649 रुपये की अच्छी तेजी के साथ 1,56,155 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,54,506 रुपये से काफी ऊपर था। वहीं, चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,576 रुपये की उछाल के साथ 2,37,500 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,35,924 रुपये था। यह शुरुआती तेजी दिनभर बनी रही, जिससे दोनों कीमती धातुओं ने महत्वपूर्ण लाभ दर्ज किए। कमजोर डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कमजोर संभावना इन धातुओं के लिए प्रमुख उत्प्रेरक बनी हुई है।

एलपीजी- ई-केवायसी की अंतिम तिथि बढ़ी, ग्राहकों को राहत

अब 23 अगस्त तक पूरा करें ई-केवाईसी

नई दिल्ली ।

एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। आधार आधारित ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह तारीख 16 अगस्त थी, जिसे अब बढ़ाकर 23 अगस्त कर दिया गया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक अपनी केवायसी पूरी नहीं की है, उन्हें अब अतिरिक्त समय मिल गया है। यह फैसला स्वतंत्रता दिवस और लगातार छुट्टियों के कारण लिया गया है, जिसके चलते कई ग्राहक समय पर अपनी ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। हालांकि, राहत मिलने के बावजूद ग्राहकों को तय समय सीमा में ई-केवायसी पूरा करना अनिवार्य है। अगर 23 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो फिलहाल गैस कनेक्शन तो बंद नहीं होगा, लेकिन भविष्य में उन्हें घरेलू दरों पर सिलेंडर मिलने में परेशानी हो सकती है और अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आखिरी तारीख का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द इसे पूरा कर लेना चाहिए। ई-केवायसी के लिए ग्राहक अपने गैस वितरक के पास जाकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा, इंडेन ग्राहक इंडियन आयल वन ऐप भारतगैस ग्राहक हैलोबीपीसीएल और एचपी गैस ग्राहक एचपी पे ऐप का उपयोग कर आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी इसे आसानी से पूरा कर सकते हैं।

मोलबायो डायग्नोस्टिक्स की शानदार लिस्टिंग, शेयर 21 फीसदी उछला

नई दिल्ली । मोलबायो डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 807 रुपये के मुकाबले 21 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ। बीएसई पर शेयर 980 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो इसके निर्गम मूल्य से 21.43 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान यह 24.16 प्रतिशत चढ़कर 1,002.05 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर भी इसने 980 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,875.77 करोड़ रुपये रहा।

सात्विक सोलर ओडिशा में लगाएगा 3.6 गीगावाट की विशाल सौर सेल इकाई

आईपीआईसीओएल के साथ हुआ प्रारंभिक समझौता

मुंबई ।

सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज ने ओडिशा के गोपालपुर में 3.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) क्षमता की एक विशाल सौर सेल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन एवं निवेश निगम ओडिशा लिमिटेड (आईपीआईसीओएल) के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस परियोजना से क्षेत्र में व्यापक औद्योगिक विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कंपनी द्वारा जारी बयान में बताया गया कि यह नई इकाई गोपालपुर में सात्विक सोलर के व्यापक विनिर्माण विस्तार का हिस्सा होगी, जहां कंपनी पहले से ही प्रथम चरण की एकीकृत इकाई पर काम कर रही है। सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा, यह कदम बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित करने, एकीकरण को मजबूत करने और वृद्धि के अगले चरण के लिए मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में निर्णायक है।

ओडिशा सात्विक के लिए सिर्फ एक विनिर्माण पड़ाव नहीं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। कंपनी अपनी 2.4 जीडब्ल्यू सेल और 4 जीडब्ल्यू मॉड्यूल विनिर्माण लाइनों को उत्पादन की ओर बढ़ा रही है, जो इस निवेश के साथ मिलकर भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

इस परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और कुशल श्रमशक्ति के लिए नए अवसर पैदा होने की भी आशा है।

एचडीएफसी बैंक को गलत सीआईबीआईएल रिपोर्टिंग पड़ी भारी, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

कोल्लम उपभोक्ता कोर्ट का फैसला- बंद लोन खाते को डिफ़ॉल्ट बताने पर बैंक को 50 हजार मुआवजा देना होगा

कोल्लम ।

केरल के कोल्लम जिला उपभोक्ता कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में एचडीएफसी बैंक को एक ग्राहक की गलत क्रेडिट जानकारी को सुधारने और उसे 50,000 रुपये का मुआवजा व 10,000 रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। यह आदेश बैंक द्वारा ग्राहक के एक बंद हो चुके लोन खाते को डिफॉल्ट के रूप में गलत तरीके से रिपोर्ट करने के मामले में आया है। यह मामला अलुम्मूड़ निवासी एक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसने पहले सेंचुरियन बैंक (जो बाद में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया) से बाइक लोन लिया था। ग्राहक ने 2009 में अपने सभी बकाये चुका दिए थे, जिसमें गुम हुए दो चेक के बदले नकद भुगतान भी शामिल था, और उसका लोन खाता बंद हो गया था। बावजूद इसके, बैंक ने इस खाते को डिफॉल्ट के तौर पर रिपोर्ट किया, जिससे ग्राहक की सीआईबीआईएल रिपोर्ट खराब हो गई। उसे अक्टूबर 2023 में इस गड़बड़ी का पता चला, जब उसे खराब क्रेडिट स्कोर के कारण बिजनेस लोन मिलने में दिक्कत हुई। कोर्ट ने बैंक को 30 दिनों के भीतर गलत जानकारी ठीक करने और सीआईबीआईएल को सूचित करने का निर्देश दिया है, जिसके बाद सीआईबीआईएल को भी 30 दिनों में रिकॉर्ड अपडेट करना होगा।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक पेश

नई दिल्ली ।

भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक लॉन्च कर दिया है। इसमें एक खास रिव्यू एसओएस फीचर दिया गया है, जो बैटरी 0 प्रतिशत यानी पूरी तरह खत्म होने के बाद भी कार को 13किमी तक चला सकता है। ईवी को नए वैरिएंट्स, बड़े बैटरी पैक, री-डिजाइन डैशबोर्ड और एडवांस कनेक्टेड फीचर्स के साथ मार्केट में उतारा गया है। वहीं, फुल चार्ज पर कार 683किमी चलेगी। महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 19.45 लाख से शुरू होकर रुपए 26.95 लाख तक जाती है। इसके साथ ही कंपनी ने बैटरी एज अ सर्विस मॉडल भी पेश किया है। बीएएएस प्रोग्राम के तहत 59 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले बेस वैरिएंट को सिर्फ रुपए 11.45 लाख में खरीदा जा सकता है, जिसके बाद ग्राहक को रुपए 3.75 प्रति किलोमीटर के हिसाब से बैटरी का सब्सक्रिप्शन चार्ज देना होगा। कंपनी इस गाड़ी की डिलीवरी 26 अगस्त से शुरू करने जा रही है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के बाहरी डिजाइन को काफी एग्रेसिव और स्पोर्टी रखा गया है। इसके पिछले हिस्से में स्पोर्टेक की बैजिंग मिलती है। कार में वेरिएंट के हिसाब से 19-इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्लश-फिटिंग डोर हैंडल्स (बॉडी में छिपे रहने वाले हैंडल) और ऑल-एलईडी लाइटिंग सेटअप दिया गया है। इसके अलावा इसके खास लंच एडिशन में ग्रेफाइट स्टॉर्म कलर का ऑप्शन मिलेगा। कार के पिछले हिस्से में कस्टमाइजेबल एलईडी टेल-लैंप दिए गए हैं, जिसकी स्क्रीन पर ओनर अपने हिसाब से पर्सनल टेक्स्ट मैसेज भी डिस्प्ले कर सकते हैं। कार के केबिन के अंदर सबसे बड़ा और आकर्षक बदलाव देखने को मिलता है। इसके टॉप वेरिएंट्स में अब 12.3-इंच के तीन डिस्प्ले (ट्रायस्क्रीन) वाला एक शानदार ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट दिया गया है। डैशबोर्ड को पूरी तरह नया और साफ-सुथरा हॉरिजॉन्टल लुक दिया गया है, जिससे वायरलेस चार्जिंग पैड और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट्स का इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। इसके लॉन्च एडिशन में फुल रेसिंग टैन इंटीरियर थीम के साथ प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और फिक्स पैनोरमिक ग्लास रूफ दी गई है। महिंद्रा ने इस कार में 6 नए टीईक्यू टेक्नोलॉजी सूट्स जोड़े हैं। इसमें टीईक्यू एमई फीचर है जो ड्राइवर को पहचानकर उसकी प्रोफाइल सेट कर देता है। इसके अलावा इसमें गूगल जेमिनी एआई इंटीग्रेशन के साथ टीईक्यू टाक वॉयस असिस्ट दिया गया है। कार में मनोरंजन और आराम के लिए डॉल्बी एटमॉस के साथ हरमन कार्डन का प्रीमियम साउंड सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, हेड-अप डिस्प्ले और एनएफसी डिजिटल की जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। यह एसयूवी तीन अलग-अलग बैटरी पैक विकल्पों में उपलब्ध है, जो रियर-व्हील ड्राइव सेटअप के साथ आते हैं, इनमें 59केडब्ल्यूएच बैटरी 231एचपी की पावर जनरेट करती है और सिंगल चार्ज में 548किमी की रेंज देती है। 70केडब्ल्यूएचबैटरी नया बैटरी पैक 245एचपी की पावर और 651किमी की रेंज देता है।

भारत सरकार घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाएगी, आयात पर निर्भरता घटेगी

21 कंपनियों को मिला एलपीजी उत्पादन का टारगेट, रिलायंस को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहली बार देश की प्रमुख रिफाइनरी और तेल-गैस कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन की अधिकतम सीमा तय की गई है। पश्चिम एशिया संकट और हॉर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के अनुभवों के बाद यह फैसला लिया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा 13 अगस्त को जारी आदेश में 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह वित्त वर्ष 2026 के अनुमानित घरेलू उत्पादन से दोगुना तथा देश की दैनिक खपत का लगभग 70 फीसदी है।इस पहल के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज को जामनगर रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर 18,000 टन एलपीजी प्रतिदिन तक उत्पादन करना होगा। नायरा एनर्जी को 4,480 टन, जबकि ओएनजीसी और ऐसे ही जैसी कंपनियों को मिलाकर 6,460 टन प्रतिदिन का लक्ष्य मिला है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरियों के लिए कुल 31,470 टन प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का 64 फीसदी से अधिक आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया और हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से होती है। यही निर्भरता पश्चिम एशिया संकट के दौरान एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी, जब सरकार को पेट्रोकेमिकल्स के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ना पड़ा था। सरकार ने केवल उत्पादन लक्ष्य ही नहीं, बल्कि भंडारण, परिवहन और आपूर्ति के लिए पर्याप्त बुनियादी ढाँचा तैयार रखने का भी निर्देश दिया है। कंपनियों को तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव उपायों जैसे नेफ्था को एलपीजी में बदलने पर भी विचार करने को कहा गया है।

इस शेड्यूल की समीक्षा हर छह महीने में की जाएगी, जिसका लक्ष्य भारत को एलपीजी के लिए विदेशी आपूर्ति पर कम निर्भर बनाना और भविष्य में किसी भी संकट से निपटना है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.62 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.54 पर रहा।

8वें वेतन आयोग में 69000 रुपए हो जाएगी न्यूनतम सैलरी

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी उम्मीदें, फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग से बड़ी उम्मीदें हैं, खासकर फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी को लेकर।

कर्मचारी यूनियनों ने इसे 3.83 करने की मांग की है, जिससे न्यूनतम मूल वेतन में 18,000 रुपए से बढ़कर करीब 69,000 रुपए तक का बंपर उछाल आ सकता है। आइए समझते हैं इस मांग का गणित और पिछले बदलावों को। फिटमेंट फैक्टर और वेतन वृद्धि का गणित 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारी यूनियनों की सबसे प्रमुख मांग फिटमेंट फैक्टर को 3.83 करना है। फिटमेंट फैक्टर वह आंकड़ा है जो मूल वेतन को नई संरचना में बदलता है।

7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू होने से न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हुआ था। यदि अब यह बढ़कर 3.83 होता है, तो वर्तमान 18,000 का न्यूनतम बेसिक-पे सीधे 18,000 × 3.83 = 68,940 (लगभग 69,000 रुपए) हो जाएगा, जो एक बड़ा उछाल होगा। पहले वेतन आयोग से अब तक का सफर भारत में पहला वेतन आयोग 1946 में 55 रुपए न्यूनतम मूल वेतन के साथ लागू हुआ था।

समय के साथ इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई और दूसरे वेतन आयोग में 80, तीसरे में 196, चौथे में 750 और पांचवें (1.74 एफएफ) में 2,550 हुआ। छठे वेतन आयोग (2006) में 1.86 फिटमेंट फैक्टर के साथ न्यूनतम वेतन 7,000 और सातवें (2016) में 2.57 फिटमेंट फैक्टर से 18,000 निर्धारित हुआ। अधिकतम मूल वेतन भी 2,000 से 2.5 लाख रुपए तक बढ़ा।

हालांकि, आठवें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल वेतन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

वेतन वृद्धि पर अंतिम निर्णय आयोग की सिफारिशों और सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होगा।

महिंद्रा का बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फीडम एडिशन लॉन्च

मुंबई ।

महिंद्रा ने अपनी बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फ्रीडम एडिशन लॉन्च कर दिया है। ई फ्रीडम एडिशन के दो वेरिएंट एफई और एफई फोर बाजार में उतारे गए हैं। यह नया मॉडल पिछले फार्मूला ई एडिशन के लॉन्च होने के एक साल से भी कम समय के भीतर पेश किया गया है। नए फार्मूले ई फ्रीडम एडिशन में पिछले मॉडल की तरह पतली फ्रंट और रियर डीआरएलएस, गोल एलईडी हेडलाइट्स और भारी बंपर नहीं दिए गए हैं। अब इसका लुक स्टैंडर्ड बीई6 स्पोर्टेक जैसा ही रखा गया है, जिसमें सी-शेप की फ्रंट-रियर डीआरएलएस और स्लीक बंपर मिलते हैं। हालांकि, इस फ्रीडम एडिशन की पहचान बनाए रखने के लिए फ्रंट फेंडर पर फार्मूला ई की बैजिंग दी गई है। साथ ही इसमें नया रोसो इम्पुल्सो कलर ऑप्शन और बॉडीवर्क पर तिरंगे यानी ट्राई कलर के डेकल्स दिए गए हैं। पुरानी बीई6 फार्मूला ई एडिशन को महिंद्रा ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया है। इंटीरियर लेआउट में कोई बड़ा बदलाव नहीं है, लेकिन इसमें फायरस्टॉर्म ऑरेंज कलर स्कीम के साथ लेदरेट और सुएड अपहोल्स्ट्री दी गई है। डैशबोर्ड पर फार्मूला ई फ्रीडम एडिशन की प्लेक, पैनोरमिक ग्लास रूफ पर फार्मूले ई डेकल्स और खास वर्चुअल इंजन साउंड्स जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। इस एडिशन में डैशबोर्ड पर ड्राइवर और को-ड्राइवर को अलग करने वाला खास हेलो-लाइट लूप दिया गया है। इसी वजह से फार्मूला ई फ्रीडम एडिशन में केवल डुअल 12.3-इंच स्क्रीन का सेटअप मिलेगा। इसमें स्टैंडर्ड स्पोर्टेक वेरिएंट्स की तरह ट्रिपल-डिस्प्ले सेटअप का विकल्प नहीं मिलेगा।

कम्फर्ट और सेफ्टी के लिए इसमें 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और पावर्ड ड्राइवर सीट दी गई है। सुरक्षा के लिए इसमें 540-डिग्री कैमरा (360 डिग्री + अंडरफ्लोर व्यू) और लेवल 2 अडास तकनीक मिलती है। कनेक्टेड कार फीचर्स की बात करें तो इसमें गूगल जेमिनी इंटीग्रेशन, इन-कार गेमिंग और कराओके सूट्स, ऑटो-डिटेक्शन वाले यूजर प्रोफाइल्स और कस्टम ड्राइव मोड शामिल हैं। महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक फार्मूला ई फ्रीडम एडिशन में 683 किमी की रेंज मिलेगी। महिंद्रा बीई6 स्पोर्टेक फार्मूले ई फ्रीडम एडिशन केवल 79केडब्ल्यूएच के टॉप-स्पेक्ट्रम बैटरी पैक और रियर-व्हील ड्राइव मोटर के साथ आता है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 286एचपी की पावर और 380एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें एडैप्टिव सस्पेंशन भी दिया गया है।

एसजेएस इंटरप्राइजेस ने एक साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और कर्जमुक्त स्थिति के दम पर निवेशकों को 100 फीसदी से अधिक का रिटर्न

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में अक्सर उन कंपनियों को बेहतर माना जाता है जिन पर कर्ज कम होता है। इसी कसौटी पर खरी उतर रही ऑटो कंपोनेंट कंपनी एसजेएस एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। बीते एक साल में इस शेयर ने निवेशकों की पूंजी को दोगुने से भी ज्यादा कर दिया है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 5.54 फीसदी की तेजी के साथ 2539.60 रुपए पर बंद हुआ था, जो एक महीने में करीब 19 फीसदी और एक साल में 100 फीसदी से अधिक का उछाल दिखाता है। एसजेएस एंटरप्राइजेज प्रीमियम विजुअल और डेकोरेटिव ऑटो कंपोनेंट बनाती है, जिनका उपयोग कारों और टू-व्हीलर में होता है। कंपनी लगातार 27 तिमाहियों से उद्योग की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 24.5 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 261 करोड़ रुपये रहा, जबकि ऐबिटा 36.2 फीसदी बढ़कर 80 करोड़ रुपये हो गया। एकमुश्त लाभ को हटाने पर एडजस्टेड नेट प्रॉफिट भी 45.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 50.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो कंपनी के मजबूत परिचालन को दर्शाता है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 45.4 फीसदी की जोरदार वृद्धि कंपनी के लिए बड़े अवसरों की ओर इशारा करती है। एसजेएस की सबसे बड़ी ताकत इसकी मजबूत बैलेंस शीट है।` वित्त वर्ष 27 के अंत में, कंपनी के पास लगभग 338 करोड़ रुपये का कैश था, जबकि कुल कर्ज सिर्फ 9.3 करोड़ रुपये था, यानी यह लगभग 329 करोड़ रुपये की नेट कैश स्थिति में थी। कंपनी पर कोई लॉन्ग टर्म डेट भी नहीं है। तिमाही में 81 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग कैश फ्लो और लगभग 84 करोड़ रुपये का फ्री कैश फ्लो इसकी वित्तीय मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यही कर्जमुक्त स्थिति और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन एसजेएस एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेजी का मुख्य कारण है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस सेल में इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी की बंपर बिक्री, त्योहारी सीजन के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली ।

देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्मार्टफोन, लैपटॉप और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। इन उत्पादों की कीमतों में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों का उत्साह देखने लायक था, जो आगामी त्योहारी सीजन के लिए बाजार में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। बिक्री में जबरदस्त इजाफा ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले बिक्री मूल्य में 25 फीसदी और वॉल्यूम में 5-7 फीसदी तक का इजाफा हुआ। ब्रांड्स, रिटेलर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, सभी को इस सेल का भरपूर फायदा मिला। फ्लिपकार्ट पर कई आईफोन और टेलीविजन मॉडल पूरी तरह बिक गए, वहीं ऐमजॉन इंडिया पर प्रीमियम उत्पादों की मांग सामान्य से दोगुनी से अधिक बढ़ी। ऑनलाइन टीवी निर्माता सुपर प्लास्ट्रोनिक्स ने अपने लाइसेंस वाले टीवी ब्रांड्स का पूरा स्टॉक ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों पर बेच दिया।

रिटेल सेक्टर का शानदार प्रदर्शन भारत की सबसे बड़ी रिटेल चेन रिलायंस रिटेल ने अपनी अब तक की सबसे अच्छी स्वतंत्रता दिवस सेल दर्ज की, जिसमें ग्रॉसरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों जैसी श्रेणियों में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई। इसी तरह, डिपार्टमेंट स्टोर चेन लाइफस्टाइल ने भी दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर विजय सेल्स ने मूल्य में 20 फीसदी से अधिक और वॉल्यूम में 5 फीसदी की वृद्धि देखी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस उछाल की मुख्य वजह बढ़ती भीड़, वॉल्यूम में वृद्धि और प्रीमियम उत्पादों की मजबूत मांग है।

प्रीमियम सेगमेंट ने बढ़ाई रौनक देश की तीसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी हायर इंडिया ने बताया कि सभी कैटेगरी में स्वतंत्रता दिवस की सेल शानदार रही।

खास तौर पर प्रीमियम कैटेगरी जैसे फ्रंट-लोड वॉशिंग मशीन, साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर और 55 इंच या उससे बड़े टीवी की बिक्री में भारी इजाफा हुआ।

कंपनी ने पिछले साल की तुलना में मूल्य के हिसाब से 45-50 फीसदी और वॉल्यूम के हिसाब से 30-35 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है और बाजार में खरीदारी की मजबूत मांग बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश से शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर मंडराया दोहरा खतरा

बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पर स्लो ओवर फेंकने पर 44,000 डॉलर का लग सकता है जुर्माना

डार्विन (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के बाद अब पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पर आईसीसी के स्लो ओवर-रेट नियमों के उल्लंघन का खतरा मंडरा रहा है। तीसरे दिन के खेल के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 90 ओवरों के मुकाबले महज 86 ओवर ही फेंक सकी थी। हालांकि यह मैच चौथे दिन ही खत्म हो गया, लेकिन नियम के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पर ओवर-रेट पेनल्टी और भारी जुर्माने की तलवार लटक रही है।

मैच फीस पर कटौती :आईसीसी के नियमों के तहत, निर्धारित समय से कम ओवर फेंकने पर प्रति ओवर 5 प्रतिशत मैच फीस काटने का प्रावधान है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की औसतन प्रति टेस्ट फीस लगभग 20,000 डॉलर मानी जाती है। ऐसे में 4 ओवर कम फेंकने के चलते पूरी प्लेइंग इलेवन पर संयुक्त रूप से 44,000 डॉलर (लगभग 4,000 प्रति खिलाड़ी) का जुर्माना लगाया जा सकता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर साइमन कैटिच ने भी इस धीमी ओवर-गति पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद निराशाजनक करार दिया है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नुकसान का डर :ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा झटका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में लग सकता है। फिलहाल 84 अंकों और 77.78त्न पॉइंट्स परसेंटेज के साथ टॉप पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया को अगर 4 अंकों की पेनल्टी मिलती है, तो उनके अंक घटकर 80 रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई फैंस के लिए यह स्थिति बेहद दर्दनाक हो सकती है, क्योंकि डब्ल्यूटीसी 2019-2021 साइकल में भी 2020 के भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्लो ओवर-रेट के कारण कटे 4 अंकों की वजह से ही टीम इंडिया से पीछे रहकर फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

डार्विन की भीषण गर्मी बन सकती है बचाव का जरिया हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह दोषी ठहराए जाने से पहले मैच रेफरी का अंतिम फैसला आना बाकी है। माना जा रहा है कि डार्विन में पड़ी गर्मी और उमस को एक राहत देने वाले कारक के रूप में देखा जा सकता है। वैसे ओवर-रेट के मामले में सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश की टीम भी धीमी रही थी जिसने साढ़े छह घंटे के खेल में केवल 77 ओवर फेंके थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि आईसीसी मैच रेफरी डार्विन के मौसम को ढाल मानते हैं या कमिंस की सेना पर सख्त रुख अपनाते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप :भारतीय जोड़ी अर्जुन-हरिहरन ने राउंड ऑफ-32 में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने घरेलू सरजमीं पर हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपना खाता खोला। पुरुष डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की भारतीय जोड़ी ने पहले दौर का मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स चोट के कारण मुकाबला पूरा नहीं कर सके।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा :इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जुन और हरिहरन ने शुरुआत से ही शानदार नियंत्रण बनाए रखा। आयरिश जोड़ी ने कुछ मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों को चुनौती जरूर दी, लेकिन अहम रैलियों में भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। अर्जुन और हरिहरन ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त, फिर आयरिश जोड़ी ने छोड़ा मैच :पहला गेम जीतने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय जारी रखी। अर्जुन और हरिहरन ने दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, इसके बाद आयरिश जोड़ी चोट की वजह से आगे नहीं खेल सकी और मुकाबला रोकना पड़ा। इस तरह भारतीय जोड़ी को वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत मिल गई और वह पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई।

पहला गेम रहा रोमांचक :पहले गेम में स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स ने भारतीय जोड़ी को आसानी से आगे नहीं बढ़ने दिया। दोनों टीमें कई रैलियों में बराबरी पर रहीं, लेकिन निर्णायक मौकों पर अर्जुन और हरिहरन ने बेहतर खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों ने मौके का फायदा उठाते हुए गेम को 21-16 से अपने नाम किया।

पीवी सिंधु विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ एक मेडल दूर

विश्व चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने 6वां मेडल जीतने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में 17 साल बाद बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के पास है। टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई है। सिंधु के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 मेडल हैं और वह रिकॉर्ड छठा मेडल जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी। 23 अगस्त को सभी 5 कैटेगरी के फाइनल होंगे। इसमें पुरुष सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला सिंगल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं।

पीवी सिंधु के पास इतिहास बचने का मौका :महिला सिंगल्स में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु भी उतरेंगी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु पहले राउंड में आज आयरलैंड की सोफिया नोबल का सामना करेंगी। 2019 की चैंपियन सिंधु के पास इस टूर्नामेंट में 5 मेडल हैं। 2019 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा 2017 और 2018 में सिल्वर जबकि 2013 और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सिंधु के पास विश्व चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है।

चीन की स्टार खिलाड़ी झांग निंग ने 2001 से 2007 के बीच विश्व चैंपियनशिप में 5 मेडल जीते थे। उनके नाम भी एक गोल्ड के अलावा दो सिल्वर और दो ही ब्रॉन्ज मेडला था। पीवी सिंधु के पास घरेलू दर्शकों के सामने निंग को पछाड़ने का मौका होगा।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन : भारत ने 1983 में अपना पहला मेडल जीता था, जब प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। 2011 से भारत ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के हर एडिशन में कम से कम एक मेडल जीता है। लगातार 11 एडिशन में कुल 14 मेडल जीते हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का ऐसा रिकॉर्ड है जिसकी बराबरी सिर्फ चीन ने की है। हालांकि पीवी सिंधु के अलावा किसी भी भारतीय खिलाड़ी के पास गोल्ड मेडल नहीं है।

60 एक्स्ट्रा रन मिले और श्रीलंका खिलाड़ियों की 146 रन की पार्टनरशिप भी हो गई!

केएल राहुल छोड़ा एक बेहद आसान कैच, टीम इंडिया को भारी पड़ गया

गॉल (एजेंसी)। भारत को 178 रन की बढ़त, श्रीलंका 284 पर ऑलआउट हो गई। सुथार ने 4, तो जडेजा ने 3 विकेट लिए। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। श्रीलंका के स्टार मिडल ऑर्डर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की 80 रन की शानदार पारी ने गॉल टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ा दीं। लेकिन इस मजबूत पारी की नींव केएल राहुल के एक बेहद आसान कैच टपकाने से पड़ी थी। केएल राहुल ने इस मैच में डिकवेला का कैच एक ऐसे समय पर छोड़ दिया जब वे हाफ सेंचुरी तक भी नहीं पहुंचे थे। जिसके चलते टीम इंडिया को एक बड़ा नुकसान चुकाना पड़ा। मैच के उस मोड़ पर भारत का पलड़ा पूरी तरह भारी था क्योंकि श्रीलंका की आधी टीम महज 90 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। भारत के पास निचले क्रम को जल्द समेटकर शिकंजा कसने की पूरी गुंजाइश थी। 20 रन पर खेल रहे डिकवेला का यह आसान कैच हाथ से छूटते ही पूरी भारतीय टीम और गेंदबाज निराश हो गए।

146 रन की हुई पार्टनरशिप :इस मिले जीवनदान का डिकवेला ने पूरा फायदा उठाया और सोनल दिनुषा के साथ मिलकर 146 रनों की बड़ी साझेदारी रच डाली।

इसे कहते हैं संस्कार!

अरिहा पंगंबम को वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भी घमंड नहीं, घर आते ही माता-पिता से यूं लिया आशीर्वाद

मणिपुर (एजेंसी)। होनहार जिम्नास्ट अरिहा पंगंबम ने एशियन जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अरिहा ने फाइनल डे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप स्थान हासिल किया और देश का नाम रोशन किया।

चौथे-पांचवें स्थान से तय किया गोल्ड तक का सफर :अरिहा के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। इससे पहले भी एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर वह चौथे और पांचवें स्थान पर रह चुकी थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पिछली नाकामियों से सीख लेकर उन्होंने ठान लिया था कि वह अगली चैंपियनशिप से देश के लिए मेडल लेकर ही लौटेंगी और आखिरकार उनकी सालों की कड़ी मेहनत रंग लाई।

जीत के बाद सादगी ने जीता दिल, माता-पिता के पैर छूकर लिया आशीर्वाद :गोल्ड मेडल जीतकर जब अरिहा पंगंबम अपने घर पहुंचीं, तो उन्होंने एक ऐसा काम किया जिसने हर भारतीय का दिल जीत लिया। देश का नाम रोशन कर लौटीं अरिहा ने सबसे पहले झुककर अपने माता-पिता के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनके इस खूबसूरत पल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रविंद्र जडेजा के 350 विकेट पूरे, एक-दो नहीं बनाए तीन बड़े रिकॉर्ड

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे हो गए हैं। इसी के साथ ही यह भारतीय ऑलराउंडर लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाला तीसरा खिलाड़ी बन गया है। इसी के साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले और 350 विकेट तथा 4000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट करके 350 विकेट पूरे किए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में रंगना हेराथ पहले स्थान पर हैं जिन्होंने 433 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर 362 विकेट के साथ डैनियल विटोरी है। इसके बाद अब 350 टेस्ट विकेट्स के साथ जडेजा हैं। चौथे स्थान पर डेरेक अंडरवुड और पांचवें पर तैजुल इस्लाम हैं जिन्होंने लेफ्ट-आर्म स्पिनर के तौर पर क्रमशः 297 और 271 विकेट झटके हैं।

जडेजा ने खास मुकाम हासिल किया :अपने स्पेल के दौरान जडेजा ने एक और उपलब्धि अपने नाम की। वे टेस्ट में 4000 रन और 350 विकेट का डबल पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट

433 - रंगना हेराथ
362 - डैनियल विटोरी
350* - रवींद्र जडेजा
297 - डेरेक अंडरवुड
271 - तैजुल इस्लाम

कम से कम 125 टेस्ट विकेट लेने वाले सभी लेफ़्ट-आर्म स्पिनरों में, सिर्फ़ केशव महाराज का स्ट्राइक-रेट (56.4) जडेजा के 58.1 से बेहतर है।

टेस्ट क्रिकेट में 350 और उससे अधिक विकेट लेने वाले भारतीय

अनिल कुंबले - 619
रविचंद्रन अश्विन - 537
कपिल देव - 434
हरभजन सिंह - 417

इस फ़ॉर्मेट में केवल दो अन्य भारतीयों ने 300 से ज्यादा विकेट लिए हैं जिसमें इशांत शर्मा और जहीर खान (दोनों के 311 विकेट) शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग मैदान

यशस्वी जायसवाल ने सचिन और मांजरेकर के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मैदान पर उतरते ही एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गाले टेस्ट उनके टेस्ट करियर का 30वां मुकाबला है और दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने शुरुआती सभी 30 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले हैं। इसी के साथ जायसवाल ने भारत के उन चुनिंदा बल्लेबाजों के क्लब में जगह बना ली, जिसमें सचिन तेंदुलकर और संजय मांजरेकर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग-अलग वेन्यू :यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत से लेकर 30वें मुकाबले तक किसी भी वेन्यू पर दोबारा टेस्ट नहीं खेला है। उनके सभी 30 टेस्ट अलग-अलग स्टेडियम में हुए हैं। इस उपलब्धि के साथ जायसवाल भारत के तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के शुरुआती मुकाबले इतने अलग-अलग मैदानों पर खेले। उनसे पहले संजय मांजरेकर ने लगातार 33 टेस्ट और सचिन तेंदुलकर ने लगातार 32 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे।

गाले में 32 रन बनाकर हुए रन आउट :गाले टेस्ट में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने केएल राहुल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए अच्छी साझेदारी बन रही थी, लेकिन 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से जायसवाल रन आउट हो गए। एक रन लेने के प्रयास में फील्डर केशाना नुवंथा से टकराने के बाद जायसवाल फिसल गए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए और जायसवाल को अपना विकेट गंवाना पड़ा। वह 32 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह जायसवाल के करियर का तीसरा रन आउट था।

राहुल और पडिक्कल ने संभाली पारी :जायसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए शानदार 162 रनों की साझेदारी की। राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बनाए, जबकि पडिक्कल ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली।

एफआईएच वर्ल्ड कप

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंक हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एमस्टेलवीन (एजेंसी)। चीन के साथ कड़े मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद अपनी पहली जीत की उम्मीद में भारतीय महिला टीम कल एफआईएच वर्ल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने दूसरे पूल डी मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। भारत ने चीन के खिलाफ अच्छी शुरुआत की, जिसमें नवनीत और दीपिका ने गोल करके अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। चीन ने दो बार वापसी करते हुए बराबरी की, लेकिन भारत की अनुशासित रक्षापंक्ति और लड़ने के जज्बे ने उन्हें टूर्नामेंट की प्रमुख टीमों में से एक के खिलाफ एक अहम अंक दिलाने में मदद की।

इस नतीजे से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच से पहले भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा, साथ ही यह भी पता चलेगा कि अपनी सकारात्मक लय को तीन अंक में बदलना कितना जरूरी है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के बाद वापसी करने के लिए उत्सुक होगा। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद अंक के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक बहुत अहम हो जाता है। भारत इस मुकाबले में यह जानते हुए उतरेगा कि जीत से उनके क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है।

भारतीय टीम के मुख्य को मारिजने ने कहा, हम कैलकुलेशन या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। हमने (चीन के खिलाफ) मौके बनाए। यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है। बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे चीन के खिलाफ दिखाई गई तीव्रता और संयम को बनाए रखें और साथ ही अटैकिंग थर्ड में और अधिक सटीक खेलें। टूर्नामेंट की शुरुआत में नवनीत और दीपिका की फॉर्म आत्मविश्वास का बड़ा स्रोत होगी, जबकि दबाव झेलने की टीम की क्षमता का फिर से परीक्षण किया जाएगा। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका अपनी शुरुआती हार के बाद मजबूत वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार होगा। भारत को एक ऐसी टीम से कड़े मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए जिसके पास दांव पर लगाने के लिए बहुत कुछ है। भारतीय टीम चीन के खिलाफ दिखाए गए भरोसे और जीतने की जबरदस्त इच्छाशक्ति से आत्मविश्वास हासिल करेगी। अब, इस विश्व कप में अपनी पहली जीत पर नजर रखते हुए, भारत उसी आधार को आगे बढ़ाना चाहेगा, तीन अहम अंक हासिल करना चाहेगा और कड़े मुकाबले वाले पूल डी में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3981

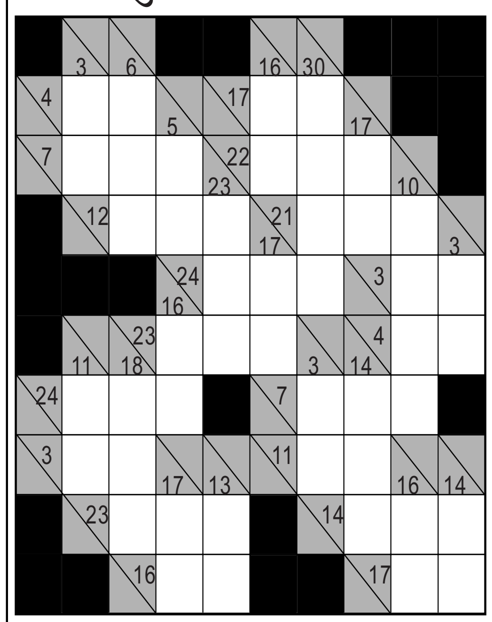

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

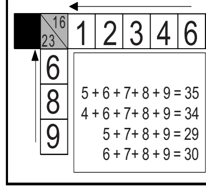

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3980 का हल

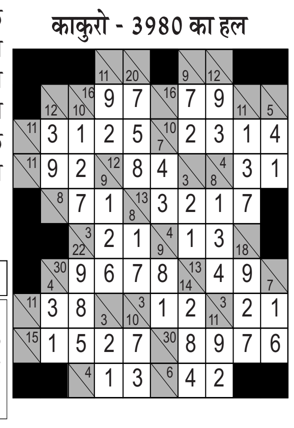

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया- 'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला- 'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला- 'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा- ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई- ''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3981

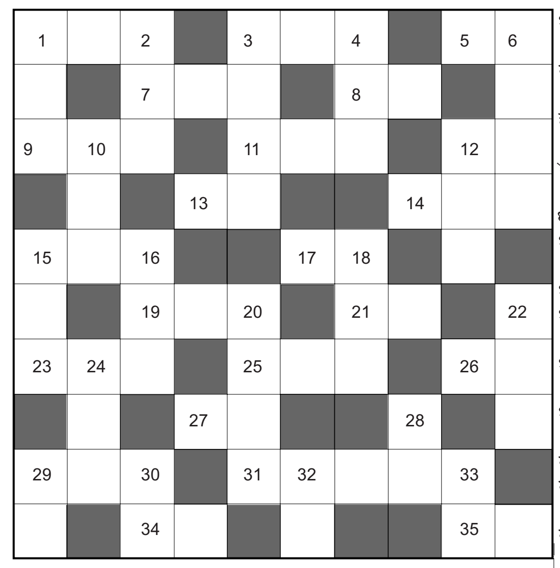

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3980

सूडोकु -3981

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3980 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 3981

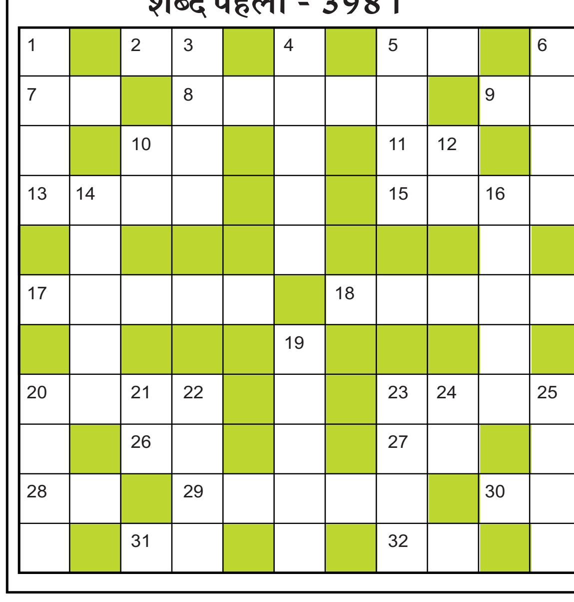

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3980 का हल

उम्र की सेंचुरी

लम्बे और स्वस्थ जीवन के नुस्खे

चलते रहें

यदि आप सप्ताह में तीन बार आधे घंटे की तेज सैर करना प्रारंभ कर दें, तो आप अपनी आयु को लगभग दस वर्ष बढा सकते हैं। जेरेक्स जोंस ने एक शोध में 220 रिटायर होने वाले पुरूषों को दो समूहों में बांट दिया। एक समूह कोई व्यायाम नहीं करता था। दूसरे समूह को आधा घंटा तेज सैर करवाई गई। एक वर्ष पश्चात् दूसरे समूह में एरोबिक शक्ति में 12 प्रतिशत और कूल्हों की मजबूती और लचक में 10 प्रतिशत सुधार पाया गया।

वजन उठाएं

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एरोबिक व्यायाम जैसे जॉगिंग और ह्वदय और फेफडों के कई व्यायाम बहुत लाभदायक है। अमरीका और डेनमार्क में हुए अन्य शोधों में पाया गया कि वजन उठाने से मांसपेशियों और हड्डियों में क्षरण को न केवल रोका जा सकता है, बल्कि सुधार भी किया जा सकता है। 50 से 60 वर्ष की रजोनिवृत्त महिलाओं ने सप्ताह में दो बार वजन उठाए, तो उनकी हड्डियों के घनत्व में 30 वर्ष की महिलाओं जैसी वृद्धि हो गई।

सिगरेट छोडें

यदि आप 30 वर्ष की आयु तक सिगरेट पीना बंद कर देते हैं, तो आपके आयुष्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पडेगा। यदि आपको धूम्रपान के कारण कोई बीमारी हो भी चुकी है, तो धूम्रपान छोडने से आपकी हालत में सुधार होगा। जिन्हें दिल का दौरा पड चुका है यदि वे धूम्रपान छोड दें तो उन्हें दोबारा दिल का दौरा पडने का खतरा तीस प्रतिशत कम हो जाता है।

पूरा पोषण लें

- पोषण विशेषज्ञ के अनुसार हमारे भोजन में ये चीजे होनी जरू री हैं।
- पत्ते वाली हरी सब्जियां जैसे पालक (इसमें कैल्शियम, लौह, तत्व, फोलेट और बीट केरोटिन होता है)।
- शकरकंद (इसमें फोलेट, बीटा केरोटिन, विटामिन ए, सी और रेशा होता है)।
- जामुन, फालसे, आलू बुखारा आदि (इनमें विटामिन सी, लौह तत्व और रेशा होता है)।
- बींस (इनमें लौह तत्व, रेशे वाला प्रोटीन होता है)।
- अनाज (इनमें विटामिन बी समूह के विटामिन, विटामिन ई, सेलेनियम और जिंक होता है)।
- नटस् (एक अमरीकी शोध के अनुसार सप्ताह में 5 से अधिक बार इन्हें खाने से ह्वदय रोग का खतरा 25 से 39 प्रतिशत तक कम हो जाता है)।

विटामिन की गोली खाएं

उम्र बढने के साथ-साथ हमारा शरीर भोजन में से आवश्यक पोषक तत्व पूरी तरह नहीं खींच पाता। एक मिनरल वाली मल्टी विटामिन गोली लेने से हमें की लाभदायक तत्त्व प्राप्त हो सकते हैं यद्यपि ये एक स्वाभाविक पोषक भोजन का विकल्प नहीं हो सकती। एक अमरीकी पोषण विशेषज्ञ जैफरी ब्लूमबर्ग ने मल्टी विटामिन के अतिरिक्त कैल्शियम, हड्डियों की मजबूती हेतु, विटामिन डी (आर्थराइटिस को दूर रखने हेतु) और विटामिन ई (अल्जीमर रोग दूर रखने हेतु) भी लेने की सलाह दी है।

कम वसा वाला भोजन लें

नए शोधों के अनुसार कम वसा वाला भोजन लेने से हमारी दिमागी शक्ति अधिक समय तक बरकरार रह सकती है।

पूरी नींद लें

आवश्यकता से कम नींद लेने पर शरीर थकान महसूस करता रहेगा वहीं आवश्यकता से अधिक नींद भी घातक है। अमरीका में हुए शोध के अनुसार 7 घंटे की नींद लेना सर्वोत्तम है।

दिमाग तेज करें

उम्र बढने पर भी ऐसे कार्य करते रहें जिससे आपका मानसिक व्यायाम होता रहे। कोई विदेशी भाषा सीखने, कठिन पुस्तकें पढने, ब्रिज खेलने या सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते रहने से आप अपने दिमाग को आयु बढने के दुष्प्रभाव से बचा सकते हैं।

मंदिर जाएं

लगभग एक हजार शोधों में यह पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से मंदिर, मस्जिद या चर्च जाते हैं, वे अधिक स्वस्थ और दीर्घायु होते हैं। एक शोध के अनुसार ऐसे लोगों की आयु लगभग 7 वर्ष बढ जाती है।

दूसरों की सहायता करें

कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि जो लोग समाज सेवा में व्यस्त रहते हैं वे अपनी वृद्धावस्था में अधिक संतुष्ट और प्रसन्न रहते हैं।

लोगों से मिलते रहें

अमरीकी शोधकर्ता थामस ग्लास ने 65 वर्ष और उससे अधिक के लोगों का अध्ययन कर पाया कि जो लोग सामाजिक दृष्टि से सक्रिय रहते हैं उनका कोलेस्ट्रॉल और उच्च रक्तचाप कम हो जाता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

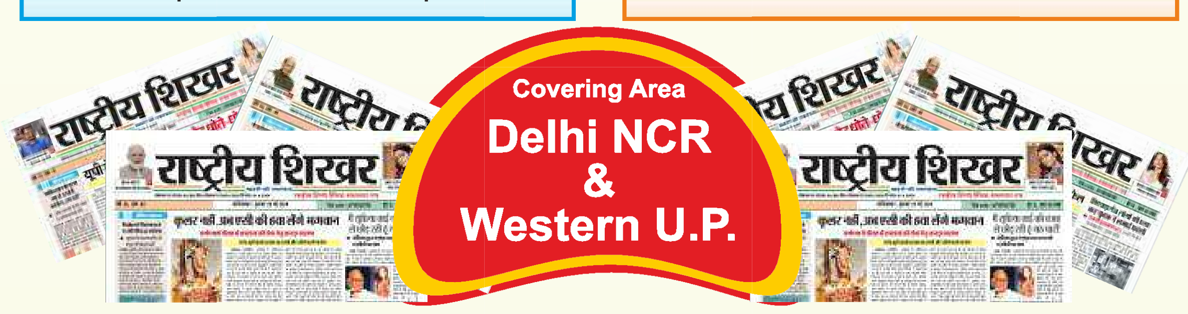

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।''

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।'' उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।'' नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आत्मविश्वास को लेकर बोलीं ईशा कोप्पिकर

स्टाइलिश दिखने का उम्र से लेना-देना नहीं

बढ़ती उम्र को लेकर अब लोगों की सोच बदल रही है। खासकर अभिनेत्रियां अपने अनुभवों के साथ यह बताती नजर आती हैं कि उम्र किसी की खूबसूरती, आत्मविश्वास या पहचान तय नहीं करती। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर भी इसी सोच को लेकर अपनी बात सामने रखती रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहतरीन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन लिखा है।

पहले से ज्यादा बेबाक हुई

अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर कीं हैं। उस पर अलग-अलग कैप्शन लिखा है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा 'अब मैं पहले से थोड़ी ज्यादा आत्मविश्वासी, अपनी पसंद को लेकर ज्यादा सजग और खुद को लेकर पहले से ज्यादा बेबाक हूं। असली खूबसूरती और अंदाज उम्र में नहीं, बल्कि इस बात में है कि इंसान समय के साथ खुद को कितना बेहतर बनाता है।'

जिंदगी को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं

ईशा ने आगे लिखा 'मैं अब बेहतर चुनाव करती हूं, गहराई से प्यार करती हूं और जिंदगी के हर पड़ाव को खास बनाने की कोशिश करती हूं। मैं वही लड़की हूं, लेकिन अब मेरे स्टैंडर्ड पहले से बेहतर हैं।'

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

यश राज फिल्म्स की हॉरर फिल्म में वरुण निभाएंगे लीड रोल

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी 'रॉकेट बॉयज़' से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे। फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे वर्ष 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है। सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था। यह फिल्म उसी दिशा में ङ्क्त्रस्न की पहली पेशकश होगी।

सूत्रों के अनुसार, अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। 'रॉकेट बॉयज़' की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली थिएटरिकल फिल्म होगी। इसके साथ ही यह परियोजना नई पीढ़ी के फिल्मकारों को अवसर देने की वाईआरएफ की रणनीति को भी आगे बढ़ाती है। 'सैयारा' की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में स्टूडियो मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। 'सुई धागा' के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स के साथ दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली थिएटरिकल हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल संग अफेयर की खबरों पर भड़कीं मृणाल

इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलना अब एक आम बात हो गई है। लेकिन बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन झूठी खबरों को चुपचाप सहने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। हाल ही में भारतीय युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर मृणाल ठाकुर का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। पूरा मामला मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित एक कैफे का है। हाल ही में मृणाल ठाकुर और क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को एक ही कैफे के बाहर अलग-अलग समय पर देखा गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर दोनों के वीडियो को जोड़कर उनके अफेयर के कयास लगाने शुरू कर दिए। 34 साल की मृणाल ठाकुर और 24 साल के यशस्वी के बीच 10 साल के अंतर को लेकर भी इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। जब यह अफवाह हद से ज्यादा बढ़ने लगी, तो अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए मृणाल ठाकुर ने लिखा, 'भाई थोड़ा रिलैक्स करो... मुझे दिखाओ कि हम एक साथ कहां हैं? आप जैसे पढ़े-लिखे लोग इन अफवाहों को सच कैसे मान सकते हैं? देश में क्या कुछ नहीं हो रहा है। जेन-जी से कुछ सीखिए और सही मुद्दों पर वीडियो बनाइए, ताकि आपको ज्यादा व्यूज मिल सकें।' हालांकि, कुछ समय बाद यह कमेंट वीडियो के नीचे से हटा दिया गया, लेकिन तब तक मृणाल के इस रिएक्शन का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था। प्रशंसकों ने मृणाल के इस बेबाक अंदाज़ की काफी सराहना की है।

पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉग: 33 टेंपल रोड' में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बन रही पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉग: 33 टेंपल रोड' में अभिनेत्री तब्बू भी अहम किरदार में नजर आएंगी। फिल्म से तब्बू का लुक सामने आया है जिसे एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस एक पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने फैंस को अपने किरदार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके किरदार का नाम क्या होगा ? और वह कैसा होगा? 'स्लम डॉग' में तब्बू एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस के साथ कुछ खास जानकारियां साझा कीं। फिल्म में तब्बू एक सख्त आयकर अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। इस फिल्म में तब्बू के किरदार का नाम गौरी हेगड़े है। गौरी को एक निर्दयी, बेरहम और साहसी महिला के रूप में पेश किया गया है। एक्ट्रेस की शेयर की गई पोस्ट में वह बड़े गंभीर अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म से शेयर किए एक वीडियो में वह विजय सेतुपति से पूछताछ करती नजर आ रही हैं। इस एक पोस्ट के अलावा तब्बू ने 'स्लम डॉग' की एक क्लिप भी शेयर की। इसके कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, 'आप सभी मिलिए गौरी हेगड़े से। जो कि एक दृढ़, निडर और हमेशा अपने सिद्धांतों पर डटी रहने वाली महिला है। इस फिल्म के लिए हैदराबादी बोलने में बहुत मजा आया।' कैप्शन में तब्बू ने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही प्रोड्यूसर चार्मी कौर का भी शुक्रिया अदा किया।

'स्लमडॉग 33' के बारे में

फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ ने किया है। वहीं इसे पुरी के साथ मिलकर अभिनेत्री चार्मी कौर ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म में विजय सेतुपति एक बहुत ताकतवर और बेबाक किरदार निभाएंगे। यह एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है जिसे पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कास्ट में विजय और तब्बू के अलावा संयुक्ता, दुनिया विजय, ब्रह्माजी और वीटीवी गणेश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो के साथ नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'प्रिडेटर्स' डायरेक्टर निम्रोद एंटल निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से लिया बुमन, गाइ डेविस, रूथएन फ्रिगेरियो, ब्रायन कवानाघ जोंस, जेसन क्रिंगस्टीन, केटी लीरी, स्कॉट लेवेंसन और जेम्स नॉरबरी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। फिल्म की कहानी कांगो में रहने वाली एक यूएन ट्रांसलेटर की है। वह एक क्रैश प्लेन को खोजने के सीक्रेट मिशन पर है। इस मिशन में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आखिर में जब फिल्म की लीड कैरेक्टर विमान के करीब पहुंचती है तो उसे अहसास होता है कि इस प्लेन को कभी वापस नहीं लाना चाहिए था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के अलावा भारतीय फिल्में भी कर रही हैं। वह आठ साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म में पौराणिक कहानियों और साइंस फिक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके अलावा प्रियंका का नाम बॉन्ड गर्ल के तौर पर चुने जाने के लिए भी सामने आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

यूएस में बारिश से हाहाकार: इंडियाना की व्हाइट नदी में बाढ़, 113 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड टूटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना में भारी बारिश ने बाढ़ का ऐसा संकट खड़ा कर दिया है, जिसने 113 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। व्हाइट नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ऊपर पहुंच गया और कई इलाकों में घर, सड़कें और रेलवे ट्रैक पानी में डूब गए। मंगलवार से इंडियानापोलिस के पूर्वी हिस्से में 11 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। हालात को देखते हुए इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने आपात स्थिति घोषित कर नेशनल गार्ड को राहत और बचाव कार्य में लगाया है। व्हाइट नदी का पानी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ज्यादा दर्ज किया गया, जो 1913 में दर्ज किए गए पुराने रिकॉर्ड से एक फीट से भी अधिक ऊपर है। इस बढ़ते जलस्तर ने नदी के आसपास के कई इलाकों को डुबो दिया। प्रशासन के अनुसार, नदी का पानी रविवार तक अपने किनारों से बाहर निकलता रह सकता है। इससे आने वाले समय में बाढ़ और गंभीर होने की आशंका बनी हुई है।कितनी बारिश हुई और कितने इलाके पानी में डूबे इंडियानापोलिस के पूर्व में मंगलवार से अब तक 11 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। एंडरसन शहर में कई फीट पानी सड़कों पर भर गया और घर पानी से घिर गए। लोगों को इलाके से बाहर निकलने का आदेश दिया गया। फैंकलिन काउंटी में भी पानी ने रेलवे पटरियों और सड़कों को ढक दिया। कैंब्रिज सिटी में लगातार दूसरे दिन कई घर कई फीट पानी से घिरे रहे। यॉर्कटाउन से सामने आए वीडियो में भी बाढ़ से बड़े पैमाने पर नुकसान दिखाई दिया। बाढ़ के बीच राहत और बचाव दल ने पूरे क्षेत्र में दर्जनों लोगों को सुरक्षित निकाला। इंडियानापोलिस में शनिवार दोपहर तक करीब 70 लोगों के बचाए जाने की जानकारी सामने आई। कई लोगों के साथ उनके पालतू जानवरों को भी सुरक्षित निकाला गया। वहीं डेलावेयर काउंटी में शुक्रवार को शेरिफ के जवानों को 58 वर्षीय महिला का शव मिला। अधिकारियों को आशंका है कि महिला की मौत बाढ़ के पानी से होकर गाड़ी चलाने की कोशिश के दौरान हुई। फिलहात तक इस बाढ़ से पांच लोगों की मौत हुई है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने गुरुवार को राज्य में आपात स्थिति घोषित की और नेशनल गार्ड को राहत कार्यों के लिए लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की पूरी मशीनरी को सक्रिय कर दिया गया है और जरूरत के हिसाब से संसाधन प्रभावित इलाकों में भेजे जा रहे हैं। गवर्नर ने राष्ट्रपति से संघीय आपात घोषणा करने का अनुरोध भी किया है, ताकि राहत और बचाव के लिए अतिरिक्त संसाधन मिल सकें। इंडियानापोलिस के मेयर जो हॉगसेट ने भी नदी के आसपास रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

155 साल में सबसे भीषण तूफान का खतरा, हवाई के बिग आईलैंड की ओर बढ़ा तूफान; क्या मचेगी तबाही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हवाई द्वीप समूह में तूफान लाला ने खतरे की घंटी बजा दी है। यह तूफान शनिवार को एक बड़े द्वीप यानी बिग आइलैंड की ओर बढ़ रहा था और इसके द्वीप के दक्षिणी हिस्से के पास पहुंचने का अनुमान है। अगर लाला सीधे द्वीप से टकराता है तो यह 155 साल में पहली बार होगा। तूफान की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा पहुंच गई है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी है और कई इलाकों में आश्रय केंद्र खोल दिए गए हैं। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, तूफान लाला बिग आइलैंड के दक्षिणी सिरे के बहुत करीब से गुजर सकता है। इससे पहले 1871 में श्रेणी-3 का तूफान बिग आइलैंड के उत्तर-पूर्वी हिस्से से टकराया था। इसके बाद ऐसा कोई तूफान नहीं आया, जिसने द्वीप पर सीधे दस्तक दी हो। लाला का रास्ता दक्षिणी हिस्से की ओर बताया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के सीधे जमीन से टकराए बिना भी भारी नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, लाला की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है और इसे श्रेणी-1 का तूफान घोषित किया गया है। इसके कारण बिग आइलैंड के दक्षिणी हिस्से में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि समुद्र तल से हजारों फीट ऊपर स्थित ज्वालामुखीय ढलानों पर तूफान का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। ऊंचाई वाले इलाकों में 63.5 सेंटीमीटर तक बारिश का अनुमान है।

पांच घायल; पुलिस से बचने के लिए अलमारी में छिपा 19 वर्षीय आरोपी

वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में गोलीबारी से हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय कैमरन हैरिस को कैंपस की एक डॉरमिटरी की अलमारी से गिरफ्तार किया है। घटना में पांच लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों के वारंट हासिल किए हैं। घटना के बाद लगाए गए कैंपस लॉकडाउन को हटा दिया गया है और जांच में कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां सहयोग कर रही हैं। गोलीबारी के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। चेस्टरफील्ड काउंटी पुलिस ने एक बयान में बताया कि हेनरिको, वर्जीनिया निवासी कैमरन हैरिस कैंपस का छात्र नहीं है। गोलीबारी में घायल हुए चार लोग भी यूनिवर्सिटी के छात्र नहीं थे। घायलों की उम्र 17 से 23 वर्ष के बीच है। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में शामिल 20 वर्षीय एक छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने अभी तक किसी भी पीड़ित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।

अधिकारियों ने घटना के संभावित मकसद को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने हेनरिको के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों यानी फेलनी के वारंट हासिल किए हैं। इनमें जान-बूझकर किसी व्यक्ति को घायल करना और गंभीर अपराध के दौरान बंदूक का इस्तेमाल करना जैसी धाराएं शामिल हैं। यह भी तत्काल

स्पष्ट नहीं हो सका कि आरोपी की ओर से पैरवी करने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं।

यूनिवर्सिटी ने इससे पहले जारी बयान में कहा था कि अधिकारी कई संदिग्धों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, शनिवार शाम तक पुलिस ने तलाशी अभियान को लेकर कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। यूनिवर्सिटी अधिकारियों ने दिन में पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कैंपस समुदाय के लिए अब किसी तत्काल खतरे की आशंका नहीं है। इसके बाद कैंपस में लगाया गया लॉकडाउन हटा दिया गया।

शनिवार तड़के करीब 1:30 बजे के बाद हुई गोलीबारी के चलते पूरे कैंपस में लॉकडाउन लागू करना पड़ा। यह घटना ऐसे समय हुई, जब छात्र नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के लिए कैंपस लौट रहे थे और तैयारियों में जुटे थे।

गोलीबारी की घटना यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास हुई। सूचना मिलते ही कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें कैंपस डॉरमिटरी के बाहर गोली लगने से घायल पांच लोग मिले।

यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के मुताबिक, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक सप्ताह पहले ही खोल दिए गए थे, जबकि कक्षाएं सोमवार से शुरू होनी हैं। कई छात्र नए विद्यार्थियों के स्वागत और उनके कैंपस जीवन की शुरुआत से जुड़े यूनिवर्सिटी के न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस कार्यक्रम में भी हाल ही में शामिल हुए थे। यूनिवर्सिटी ने अपने बयान में कहा,हम समझते हैं कि इस घटना ने हमारे छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, दोस्तों और व्यापक ट्रूस समुदाय के बीच चिंता पैदा की है। हमारे छात्रों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शनिवार सुबह कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। यूनिवर्सिटी ने छात्रों को सलाह दी कि वे अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अपने ईमेल नियमित रूप से चेक करते रहें। काउंटी पुलिस के अनुसार, ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स और हनोवर काउंटी शेरिफ ऑफिस भी जांच में सहायता कर रहे हैं। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी वर्जीनिया के एट्रिक में स्थित एक ऐतिहासिक रूप से अश्वेत यूनिवर्सिटी है। यह राज्य की राजधानी रिचमंड से करीब 39 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। इस सार्वजनिक विश्वविद्यालय में लगभग 5,700 छात्र पढ़ते हैं।

तीन पायलट, दो एसयू-24 और हिरासत का दावा: ईरान के दावे को दोहा ने किया खारिज- अब आमने-सामने दोहा और तेहरान

तेहरान, एजेंसी। कतर ने तीन ईरानी पायलटों को छह महीने से हिरासत में रखने के ईरानी मीडिया के दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कतर का कहना है कि उसने कथित हवाई क्षेत्र उल्लंघन के दौरान नियमों के तहत कार्रवाई की और बाद में खोज एवं बचाव अभियान भी चलाया। वहीं, ईरान ने तीन पायलटों के कतरी हिरासत में होने का दावा करते हुए उनसे मुलाकात की अनुमति देने की मांग की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद मोहम्मद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कतरी हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन के मामले में ईरानी पायलटों से संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उनके विमान की दिशा और टारगेट की ओर बढ़ने वाले प्रक्षेप पथ की भी पुष्टि की थी। प्रवक्ता ने कहा, हम ईरानी पायलटों की हिरासत के बारे में फैलाए जा रहे दावों का सख्ती से खंडन करते हैं और इस खास समय पर ऐसे गुमराह करने वाले बयानों से हमें हैरानी है।

अल-अंसारी ने बताया कि कतरी अधिकारियों ने पायलटों से संपर्क करने की कोशिश की थी। जब उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कतरी क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने से पहले निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि कतर ने उस समय आधिकारिक माध्यमों के जरिए पूरे मामले को स्पष्ट कर दिया था। खोज और बचाव अभियान का जिक्र करते हुए कतर ने कहा कि उसकी टीमों ने पायलटों के अवशेषों की तलाश की थी। बाद में ईरान के साथ समन्वय करते हुए एक पायलट के मिले अवशेष सौंपे गए। प्रवक्ता ने कहा, कतर की खोज और बचाव टीमों ने, जिनके पास वैश्विक स्तर की दक्षता और विशेषज्ञता है, पायलटों के अवशेषों की तलाश में अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभाया। कतर ने यह भी कहा कि उसने पिछले अप्रैल में एक ईरानी टीम को खोज और बचाव अभियान से जुड़े विवरण की समीक्षा करने और पूरी जानकारी हासिल करने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, कतर के मुताबिक ईरानी पक्ष ने अब तक इस निमंत्रण का कोई जवाब नहीं दिया है। अल-अंसारी ने कहा,इसके अलावा, पिछले अप्रैल में एक टीम को खोज और बचाव अभियान के विवरण के बारे में जानने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसका ईरानी पक्ष ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया है।

हम मुसलमान हैं, हम सहन करते हैं, पाक के हिंदुओं को लेकर आसिफ जरदारी ने क्या कहा अखंड भारत का भी जिक्र किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए दुनियाभर में बदनाम है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों के गंभीर उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आते हैं और उनकी आबादी में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसके विपरीत दावा किया है। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू भी उतने ही आजाद हैं, जितने किसी और जगह पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के हिंदू भारत में रहने के बजाय पाकिस्तान में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसे मुसलमान हैं, जिनकी सोच है कि वे हिंदुओं को बर्दाश्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जरदारी ने 14 अगस्त को इस्लामाबाद में यादगार-ए-फतह विजय स्मारक समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। यह समारोह पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ये बातें भारत और पाकिस्तान की सोच में अंतर बताते हुए कहीं। जरदारी ने भारत के अखंड भारत में विश्वास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे भारतीय भूल गए हैं। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की पहचान एक इस्लामी देश के रूप में बताई। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के प्रति अपने देश के रवैये पर बात करते हुए जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, पाकिस्तान में तीन से चार प्रतिशत हिंदू आबादी है और वे उतने ही आजाद हैं, उतने ही अच्छे हाल में हैं, जितने वे कहीं और थे।

ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीर: चेहरे पर नहीं दिखी मुस्कान; फिर क्यों बोले- हम बहुत अच्छे से मिलते हैं

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इन तस्वीरों में दोनों के चेहरे गंभीर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर ट्रंप ने मजाक किया। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन और उनके बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस खास तस्वीर में भले ही हमारे चेहरे दोस्ताना नहीं दिख रहे हैं। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे हैं। किम जोंग उन और मैं बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एआई से बनाई हुई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों के हाथों में कलम दिख रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों घोड़े पर नजर आ रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया, जब उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले आगामी सैन्य अभ्यासों की आलोचना कर रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि इन सैन्य अभ्यासों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास उलची फ्रीडम शील्ड 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा। इन सैन्य अभ्यासों में ड्रोन से निपटने, जीपीएस में रुकावट पैदा होने की स्थिति से निपटने और साइबर हमलों का सामना करने का प्रशिक्षण शामिल होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी देश इन अभ्यासों के जरिये उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के अनुसार अपनी तैयारी बेहतर करना चाहते हैं। उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों की आलोचना करता रहा है। वह इन अभ्यासों को उकसावे वाली कार्रवाई बताता है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य सहयोग धीरे-धीरे एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया का सैन्य सहयोग एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है और उत्तर कोरिया खतरे के नए स्तर का जवाब रोकने की क्षमता के नए स्तर से देगा।

अमेरिका में दो गोलीकांड: वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में चली गोलियां, मिशिगन में छह की मौत; कब थमेगा मौत का सिलसिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं ने एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें कम से कम एक छात्र शामिल है। इसी दौरान मिशिगन में शुक्रवार को हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक 16 वर्षीय किशोर समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को भी मृत पाया। दोनों घटनाओं की जांच जारी है और इनके पीछे की वजह अभी साफ नहीं हुई है।

वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास शनिवार सुबह गोलीबारी हुई। कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारियों को छात्रावासों के बाहर पांच लोग गोली लगने से घायल मिले। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआत में एक घायल की हालत जानलेवा बताई गई थी, लेकिन बाद में उसकी हालत गंभीर बताई गई। बाकी घायलों को जानलेवा चोटें नहीं आईं। विश्वविद्यालय ने पुष्टि की कि घायलों में कम से कम एक छात्र था और उसे अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 19 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद विश्वविद्यालय में लॉकडाउन लगा दिया गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। विश्वविद्यालय ने बताया कि गोलीबारी में कई संदिग्ध शामिल हो सकते हैं। बाद में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि कैंपस समुदाय के लिए तत्काल खतरा नहीं माना जा रहा है और लॉकडाउन हटा दिया गया। छात्रों को ईमेल देखते रहने और आगे की सुरक्षा

संबंधी जानकारी पर नजर रखने को कहा गया। घटना ऐसे समय हुई, जब नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिसर में लौट रहे थे और सोमवार से कक्षाएं शुरू होनी थीं।

मिशिगन के मिसॉकी काउंटी में शुक्रवार को गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं ने पूरे इलाके को हिला दिया। पुलिस को एक घर से 16 वर्षीय लड़के, 45 वर्षीय पुरुष और 40 वर्षीय महिला के शव मिले। वहां 13 वर्षीय लड़की भी गंभीर हालत में मिली, लेकिन वह बच गई। इसके बाद पुलिस को दूसरी जगह 53 वर्षीय पुरुष का शव मिला। बाद में जंगल में 29 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध हमलावर चाड हिकमैन के शव के साथ मिला। पुलिस के अनुसार सभी मृतकों की मौत गोली लगने से हुई।

मिशिगन की घटना में पुलिस ने बताया कि पहली गोलीबारी के बाद संदिग्ध हमलावर वहां से भाग गया था। इसके बाद इलाके में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों की जांच करते हुए आखिरकार जंगल में संदिग्ध हिकमैन और एक महिला का शव बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी जारी है। पुलिस ने मृतकों की उम्र और लिंग की जानकारी दी है, लेकिन यह साफ नहीं किया है कि मृतक आपस में या संदिग्ध हमलावर से किस रिश्ते में थे। हिकमैन को 2024 में बच्चों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उसे एक साल की जेल की सजा मिली थी।

वर्जीनिया की घटना का समय खास तौर पर चिंताजनक माना जा रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत होने वाली थी। विश्वविद्यालय में करीब 5,700 छात्र पढ़ते हैं और यह ऐतिहासिक रूप से अश्वेत अमेरिकी छात्रों के लिए स्थापित विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गोलीबारी के बाद परिसर में पुलिस की भारी मौजूदगी रही। मिशिगन की घटना ने भी स्थानीय समुदाय को झकझोर दिया है। दोनों घटनाओं में पुलिस और प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक गोलीबारी के पीछे का कारण सामने नहीं आया है।

वर्जीनिया में घायल छात्र को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाकी घायलों में किसी की चोट को तत्काल जानलेवा नहीं बताया गया है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और पूरे समुदाय की चिंता को समझने की बात कही है और सुरक्षा तथा छात्रों की भलाई को प्राथमिकता बताया है। मिशिगन में 13 वर्षीय लड़की के बचने की जानकारी सामने आई है, जबकि छह लोगों की जान जा चुकी है। वर्जीनिया की गवर्नर और एक सीनेटर ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

इंडोनेशिया में फिर कांपी धरती: पिछले भूकंप के केंद्र से कितनी दूर गल्फ ऑफ टॉमिनी, नुकसान पर सरकार क्या बोली

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर तीसरे भूकंप ने चिंता बढ़ा दी है। रात में गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले इसी दिन 6.5 तीव्रता का भूकंप और सुबह 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप आया था। सुबह के भूकंप में कम से कम 38 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। लगातार भूकंप के झटकों से राहत और बचाव अभियान भी प्रभावित हो रहा है। गल्फ ऑफ टॉमिनी में भूकंप कितनी तीव्रता का था राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार रात गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 55 मिनट पर आया। इसकी गहराई जमीन के अंदर 68 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र गल्फ ऑफ टॉमिनी में दर्ज किया गया। यह झटका उस समय आया जब इंडोनेशिया पहले से ही दिन में आए दो बड़े भूकंपों के असर से जूझ रहा था। सुबह आया 7.7 तीव्रता का भूकंप इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया था। उसका केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में था। वहीं रात का 6.0 तीव्रता वाला भूकंप गल्फ ऑफ टॉमिनी में 0.174 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120.312 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। उपलब्ध जानकारी में दोनों भूकंपों के केंद्रों के बीच सीधी दूरी नहीं बताई गई है। इसलिए दिए गए आंकड़ों के आधार पर उनकी सटीक दूरी तय करना संभव नहीं है। भूकंप ने इंडोनेशिया के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया। सरकारी आपदा एजेंसी के प्रमुख सुहारयांतो के अनुसार, 38 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 11 लोगों को मामूली चोटें आईं। करीब 2,000 लोग अपने स्तर पर घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। भूकंप के बाद कई जगहों पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे बचाव दल के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई।

लेबनान में इस्राइली हमले में 11 की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल से जुड़े संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में तनाव लगातार गंभीर होता जा रहा है। शनिवार को एक साथ कई घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी। ईरान ने कतर पर उसके तीन पायलटों को पकड़े रखने का आरोप लगाया, जिसे कतर ने तुरंत खारिज कर दिया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके एक तेल टैंकर पर फिर हमला होने की बात कही। दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। यमन में हूतियों ने लाल सागर के एक बंदरगाह पर भी हमला किया। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की लापता लोगों से जुड़ी समिति ने दावा किया कि मार्च में विमान गिराए जाने के बाद लापता हुए उसके तीन पायलट कतर की सेना के कब्जे में हैं। ईरान का कहना है कि कतर ने इन पायलटों को उनके परिवार और मामले से जुड़े ईरानी अधिकारियों से मिलने या संपर्क करने की अनुमति नहीं दी। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष से मामले में मदद मांगी है। ईरान ने यह भी कहा कि चौथा पायलट कतर में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के अभियान के दौरान मारा गया था। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने ईरान के दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कतर की खोज और बचाव टीमों ने गिराए गए विमानों में से एक के अवशेष बरामद किए थे। उनके अनुसार, ईरान को अप्रैल में घटनास्थल पर आने और खोज अभियान की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन ईरान की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ईरान

का यह दावा इसलिए भी अहम है क्योंकि अब तक उसने लापता पायलटों के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही थी। संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी के एक टैंकर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय हमला हुआ। घटना शुक्रवार शाम की बताई गई है और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में एडीएनओसी से जुड़े जहाज पर यह तीसरा हमला है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने भी बताया कि शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज के ढांचे पर अज्ञात वस्तु से हमला हुआ। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाओं में वही जहाज शामिल था या नहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के व्यापार में आने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल और प्राकृतिक गैस की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी। युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण जताया है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत रुक गई है, जबकि ईरान ओमान के साथ इस रास्ते को संभालने के तरीके पर बातचीत कर रहा है। ऐसे में यहां किसी भी हमले से तेल और गैस की आपूर्ति पर असर पड़ने की चिंता बढ़ सकती है। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, अंसार गांव के किनारे एक घर को निशाना बनाया गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)